▪ माघ शुक्ल - 3 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 186 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 01-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

3 राज्य को करों में उचित हिस्सा दिलाने के लिए निरंतर प्रयास जारी : सिद्दरामय्या

4 महाकुंभ भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका, जांच में सच्चाई आएगी सामने : किरोड़ी लाल मीणा

5 मुख्य स्नान पर्व पर कोई प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

चीन के ऋण ऐप से 'धोखाधड़ी' के मामले में चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने चीन के नियंत्रण वाले ऋण ऐप के जरिए हुए ''घोटाले'' से जुड़े धनशोधन के मामले की जांच के तहत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस ऐप के जरिए विभिन्न लोगों के साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई थी। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि जांच में पाया गया कि सिंगापुर के एक नागरिक के निर्देश पर सभी संदिग्धों ने फर्जी ऋण ऐप के जरिए 230.92 करोड़ रुपये की आपराधिक आय अर्जित की। ईडी ने कहा कि इन पैसों को फिर उनके (गिरफ्तार आरोपियों) द्वारा नियंत्रित कंपनियों के माध्यम से सिंगापुर स्थानांतरित कर दिया गया।

जल्दी होगा तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण

नई दिल्ली/एजेन्सी। मुंबई में 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है और अब भारत एवं अमेरिका की सरकारों के बीच प्रक्रिया को लेकर काम शुरू हो गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी 2025 को आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अब हम मुंबई आतंकी हमले के आरोपी के भारत प्रत्यर्पण के लिए प्रक्रियात्मक मुद्दों पर अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि इस बारे में होने वाली प्रगति की सूचना साझा की जाएगी।

म्यांमार की सैन्य सरकार ने आपातकाल की अवधि छह महीने के लिए बढ़ाई

बैंकॉक/एपी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने चुनाव की तैयारी के लिए अपना कार्यकाल छह महीने के लिए और बढ़ाने की शुक्रवार को घोषणा की। सैन्य सरकार ने कहा है कि चुनाव इसी साल होंगे। हालांकि, चुनाव की सटीक तारीख की घोषणा नहीं की गई है। सेना ने एक फरवरी, 2021 को आपातकाल की घोषणा के साथ देश की शीर्ष नेता आंग सान सू की और उनकी सरकार के कई नेताओं, अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया था। सेना के इस कदम से पांच दशक के सैन्य शासन के बाद देश में लोकतंत्र की दिशा में वर्षों की प्रगति थम गई। तख्तापलट के बाद सशस्त्र प्रतिरोध आंदोलन शुरू हुआ, जिसमें शक्तिशाली जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र समूहों और म्यांमार के मुख्य विपक्ष का समर्थन कर रहा जन रक्षा बल अब देश के बड़े हिस्से पर काबिज है।

सूर्यास्त 01-02-2025 6:09 बजे	सूर्योदय 02-02-2025 6:35 बजे
BSE 77,500.57 (+740.76)	NSE 23,508.40 (+258.90)
सोना 8,548 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 106,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दूषित धाराएं

यमुना जल में फेंकते,
आरोपों के कीच।
दूषित धाराएं हुईं,
इस कलंक को सींच।
स्नान त्रिवेणी में करे,
नेता आंखें मींच।
अमृत को तज बांटते,
विष जनता के बीच।।

सामूहिक सामर्थ्य, नवान्वेषण से बनेगा 2047 का विकसित भारत : मुर्मु

राष्ट्रपति ने संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि सरकार विकास में सबकी भागीदारी को महत्व देते हुए किसान, मजदूर, नौकरी पेशा मध्यम वर्ग, महिलाओं की हिस्सेदारी को सुनिश्चित कर विश्व बंधु की भूमिका में ग्लोबल साउथ (दक्षिण गोलार्द्ध के विकासशील और गरीब देशों के समूह) की प्राथमिकताओं के साथ तीसरी आर्थिक शक्ति बन रहे देश को 2047 में विकसित भारत बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार विकसित भारत के विजन में जनभागीदारी के सामूहिक सामर्थ्य को महत्व देते हुए देश की आर्थिक उन्नति के रोडमैप को सशक्त बना रही है और अपने तीसरे कार्यकाल में जो कदम उठा रही है उसमें आर्थिक गति बढ़ाने के लिए ढांचागत विकास, कृषि विकास, सामाज के हर वर्ग को विकास की धारा से जोड़कर सबके विकास को सुनिश्चित को विशेष महत्व दे रही है।

वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के अंतिम चरण की शुरुआत हो चुकी है

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार के प्रयासों के कारण वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के अंतिम चरण की शुरुआत हो चुकी है और इससे प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर अब 38 हो गई है। बजट सत्र की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। राष्ट्रपति ने कहा, इस वर्ष देश सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है। उनकी प्रेरणा से मेरी सरकार 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को लेकर आगे बढ़ रही है। देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में हमें बहुत उत्साहजनक परिणाम मिले हैं।

सोनिया गांधी ने कहा, राष्ट्रपति 'बेचारी' थक गई थीं भाषण पढ़ते पढ़ते

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद शुक्रवार को कहा कि वह अपने संबोधन के आखिर तक थक गई थीं और बहुत मुश्किल से बोल पा रही थीं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी।

वह दिन दूर नहीं, जब स्वदेश विकसित 'गगनयान' में अंतरिक्ष यात्रा करेंगे भारतीय नागरिक : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब कोई भारतीय नागरिक स्वदेशी रूप से विकसित अंतरिक्ष यान 'गगनयान' में सवार होकर अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। बजट सत्र की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग में मिली सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा, अंतरिक्ष डॉकिंग में हाल की सफलता ने भारत के लिए अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिन पहले इसरो ने अपना 100वां प्रक्षेपण किया और उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया। ''मैं इस उपलब्धि के लिए इसरो और देश के सभी नागरिकों को बधाई देती हूं। मुर्मू ने कहा कि भारत के युवा स्टार्ट-अप और खेल से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक हर क्षेत्र में देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा ''अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का उद्यम पूंजी कोष शुरू किया गया है।

वित्तमंत्री ने दिया आम बजट को अंतिम रूप, आज होगा पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी, 2025 को अपना आठवां आम बजट पेश कर एक नया इतिहास रचेंगी। वित्त मंत्री ने आज आम बजट 2025-26 को अंतिम रूप दिया।

श्रीमती सीतारमण ने यहां नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में बजट की तैयारियों में लगे अधिकारियों और मंत्रालय के सचिवों से चर्चा की और बजट को अंतिम रूप दिया। इस दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद थे।

यह मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और बजट आमतौर पर सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश किया जाता है तथा उसके बाद उसे राज्यसभा के पटल पर भी रखा जाता है। वित्त मंत्री के रूप में श्रीमती सीतारमण का यह आठवां बजट होगा, जिसमें अब तक उनके द्वारा पेश किए गए दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं।

दिल्ली चुनाव से पहले

आम आदमी पार्टी के सात विधायकों ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के कम से कम सात विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

सूत्रों ने बताया कि ये विधायक चुनाव के लिए टिकट न दिए जाने से नाराज थे और अन्य दलों के संपर्क में थे। कुछ विधायकों ने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे साझा किए और भ्रष्टाचार तथा अन्य मुद्दों को लेकर 'आप' पर निशाना साधा। कस्तूरबा नगर से मौजूदा विधायक मदन लाल ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्होंने और पार्टी के छह अन्य विधायकों ने 'आप' की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

मदन लाल ने कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को भी भेज दिया है।

इस्तीफा देने वाले आप विधायकों में भावना गौड़ (पालम), नरेश यादव (महरौली), रोहित महरौलिया (त्रिलोकपुरी) और पवन शर्मा (आदर्श नगर) भी शामिल हैं।

'संसद के इस सत्र की शुरुआत से पूर्व विदेश से कोई 'चिंगारी' भड़काने का प्रयास नहीं हुआ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मैं आशा करता हूं कि हम देश की आशाओं-आकांक्षाओं के इस बजट सत्र में खरे उतरेंगे।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 2014 के बाद यह पहली बार है जब संसद का सत्र शुरू होने से पहले विदेश से कोई 'चिंगारी' भड़काने की कोशिश नहीं की गई।

संसद के बजट सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित कर रहे प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मैं 2014 से देख रहा हूं कि हर सत्र से पहले शरारत करने के लिए लोग तैयार बैठते थे और यहां उन्हें हवा देने वालों की कोई कमी नहीं है। 10 साल बाद यह पहला सत्र मैं देख रहा हूं, जिसमें किसी भी विदेशी कोने से कोई चिंगारी नहीं भड़काई गई।''

शनिवार को पेश होने जा रहे अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट से पूर्व मोदी ने यह प्रार्थना भी की कि आगामी आम बजट के मद्देनजर देश के हर गरीब एवं मध्यम वर्ग पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में संसद का यह बजट सत्र देशवासियों में एक नया विश्वास पैदा करेगा और उन्हें नई ऊर्जा देगा।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सर्वांगीण विकास के लिए अपने तीसरे कार्यकाल में मिशन मोड में काम कर रही है। साथ ही उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि नवोन्मेष, समावेश और निवेश ने सरकार के आर्थिक एजेंडे को आकार दिया है। उन्होंने कहा, ''मेरे तीसरे कार्यकाल का यह पहला पूर्ण बजट है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि 2047 में जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तब तक विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, यह बजट सत्र और यह बजट उसमें एक नया विश्वास पैदा करेगा और नई ऊर्जा का संचार करेगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं आशा करता हूं कि हम देश की आशाओं-आकांक्षाओं के इस बजट सत्र में खरे उतरेंगे।''

नवोन्मेष, समावेशिता और निवेश को देश की आर्थिक गतिविधि के रोडमैप का आधार करार देते हुए मोदी ने कहा कि इस सत्र में हमेशा की तरह कई ऐतिहासिक विधेयकों पर चर्चा होगी और व्यापक मंथन के साथ वे राष्ट्र की ताकत बढ़ाने वाले कानून बनेंगे।

लश्कर के दो आतंकी मारे गए

जम्मू/भाषा। सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के रास्ते घुसपैठ करने की एक कोशिश को नाकाम कर दिया और भारी हथियारों के साथ सीमा पार करने का प्रयास कर रहे लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को पुंछ जिले के खारी करमारा इलाके में हुई और दोपहर बाद व्यापक तलाशी अभियान जारी था। सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कोर' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया, कल (बृहस्पतिवार) रात पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादी गतिविधि की जानकारी मिली और सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के खिलाफ तुंरत कार्रवाई की, जिसके बाद भारी गोलीबारी शुरू हो गई। सेना ने बताया कि अभियान रात भर जारी रहा, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

केंद्र कर्नाटक को उसके वित्तीय हिस्से से कर रहा है वंचित : सिद्दरामय्या

मैसूर/एजेन्सी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर राज्य को उसके उचित वित्तीय हिस्से से वंचित करने और केंद्रीय बजट में पहले से आवंटित धन जारी करने में विफल रहने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बताया कि 2023-24 के केंद्रीय बजट में ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये के आवंटन के बावजूद अभी तक एक भी रुपया वितरित नहीं किया गया है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''इसके अलावा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तपोषण में 58 प्रतिशत की कटौती की गई है। पिछले साल नाबार्ड ने 5,800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे लेकिन इस साल इसे घटाकर 2,345 करोड़ रुपये कर दिया गया है।''

यूक्रेन के एक और गांव पर रूस का हुआ कब्जा, रूसी सेना पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में एक और गांव पर कब्जा कर लिया है तथा लगभग तीन साल के युद्ध के बाद वह महत्वपूर्ण यूक्रेनी साजो-सामान केंद्र पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंच गया है। हालांकि, रूस के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है कि उसकी सेना ने नोवोवासिलिव्का पर कब्ज़ा कर लिया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने भी तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

रूसी सेना महीनों से पोक्रोव्स्क और पास के चासिव यार जैसे प्रमुख दोनेत्स्क गढ़ों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं, खेत और जंगलों में अपना रास्ता बना रही हैं तथा छोटी ग्रामीण बस्तियों को अपने कब्जे में ले रही हैं।

नोवोवासिलिव्का गांव पोक्रोव्स्क से लगभग 11 किलोमीटर (दक्षिण पश्चिम में स्थित है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि रूस पोक्रोव्स्क को घेरने के लिए एक बड़ा अभियान चला रहा है। पोक्रोव्स्क एक प्रमुख सड़क और रेल केंद्र है, जहां से अग्रिम क्षेत्रों के विस्तृत हिस्से को आपूर्ति प्रदान की जाती है। चासिव यार एक रणनीतिक पर्वतीय चोटी है।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने पिछले 24 घंटों में पोक्रोव्स्क की ओर रूसी सेना के 71 हमलों को नाकाम कर दिया है, जिसका मतलब है कि पूरे 1,000 किलोमीटर की अग्रिम रेखा पर रूस के लगभग आधे हमले पोक्रोव्स्क के आसपास हुए।

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

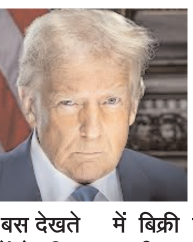

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स देश ''कोई और मूर्ख देश'' ढूंढ लें।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे न ही अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे।

ट्रंप ने कहा, नहीं तो, उन्हें 100 प्रतिशत शुल्क का सामना करना होगा या फिर शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बिक्री को अलविदा कहने की उम्मीद करनी चाहिए। उन्होंने धमकी देते हुए कहा, वे (ब्रिक्स देश) कोई दूसरा मूर्ख देश ढूंढ़ सकते हैं। इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। हालांकि जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे शुल्क को नमस्ते और अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए।

ट्रंप ने ब्रिक्स सदस्य देशों द्वारा अपनी मुद्रा जारी करने के किसी भी कदम की बार-बार आलोचना की है और यह अब तक का उनका सबसे कड़ा विरोध है। दिसंबर में भी ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को इस तरह के कदम के खिलाफ चेतावनी दी थी।

भारत ने इंग्लैंड को 15 रन से हराकर 3-1 की विजयी बढ़त बनाई

पुणे/भाषा। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड को चौथे टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 15 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 की विजयी बढ़त बना ली। भारत ने स्वदेश में पिछली 17 द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाएं नहीं गंवाई हैं। भारत के 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम लेग स्पिनरों रवि बिश्नोई (28 रन पर तीन विकेट) और वरूण चक्रवर्ती (28 रन पर दो विकेट) तथा हर्षित राणा (33 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 19.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक (51) और सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (39) ने इंग्लैंड की जीत की उम्मीद जगाई थी लेकिन गेंदबाजों ने भारत को जोरदार वापसी दिलाई। भारत के लिए पंड्या ने 30 गेंद में चार छक्कों और इतने ही चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा दुबे (53 रन, 34 गेंद, सात चौके, दो छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की जिससे टीम 12 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद नौ विकेट पर 181 रन बनाने में सफल रही।

अपनी राजनीति चमकाने के लिए 'आप-दा' वालों ने दिल्ली को 'एटीएम' में तब्दील किया : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर अपनी राजनीति चमकाने के लिए दिल्ली को 'एटीएम' में तब्दील करने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर यहां की हर बड़ी समस्या का समाधान हो।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर द्वारका में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजधानी के मतदाताओं से 'डबल इंजन' सरकार बनाकर मोदी को दिल्ली की भी सेवा करने का मौका देने की भावुक अपील की। मोदी ने कहा, बीते 11 साल में आप-दा ने सबके साथ लड़ाई-झगड़ा ही किया है। ये केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों के साथ लड़ते हैं, ये यूपी वालों के साथ लड़ते हैं, ये केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही आप-दा वाले रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी। उन्होंने कहा, दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो।

प्रधानमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि दिल्ली को 'लूट और झूठ' की 'आप-दा' से मुक्त कराना है। उन्होंने कहा, आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना दिया है। आप-दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं।

मोदी ने मतदाताओं से कहा कि उन्होंने पहले कितने ही साल कांग्रेस को देखा और फिर दिल्ली पर 'आप-दा वालों ने कब्जा' कर लिया। उन्होंने कहा, आपने मुझे देश की सेवा करने का बार-बार अवसर दिया है, अब आप मुझे डबल इंजन सरकार बनाकर दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दें।

गुजरातः भीड़ ने आदिवासी महिला की पिटाई के बाद उसे निर्वस्त्र कर घुमाया, 12 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाहोद/भाषा। गुजरात के दाहोद जिले में विवाहेतर संबंधों के शक में 35 वर्षीय आदिवासी महिला की उसके ससुर ने अन्य लोगों के साथ मिलकर पिटाई की और उसे निर्वस्त्र कर घुमाया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक राजदीप सिंह जाला ने बताया कि यह घटना 28 जनवरी को संजेली तालुका के एक गांव में हुई। उन्होंने बताया, 29 जनवरी को 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हमने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चार पुरुष, चार महिलाएं और चार नाबालिग शामिल हैं। घटना की सूचना मिलने पर हमने महिला को बचाया, जिसे उसके ससुर ने घर के अंदर बंद कर दिया था।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों पर अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, महिला के सम्मान को ठेस पहुंचाने और हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि भीड़ में शामिल जिन लोगों ने इस कृत्य का वीडियो बनाया और उसे प्रसारित किया, उन पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा ने 2024 के लोस चुनाव में 1,737.68 करोड़ रुपए खर्च किएः आयोग को सौंपे गए चुनाव व्यय में खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 1,737.68 करोड़ रुपए खर्च किए। भाजपा की ओर से निर्वाचन आयोग को प्रस्तुत व्यय रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल राशि में से 884.45 करोड़ रुपए सामान्य पार्टी प्रचार पर खर्च किए गए, जबकि 853.23 करोड़ रुपए उम्मीदवार संबंधी खर्चों के लिए आवंटित किए गए।

लगभग 611.50 करोड़ रुपए मीडिया विज्ञापनों पर खर्च किए गए, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापन, बल्क एसएमएस अभियान और केबल, वेबसाइट तथा टीवी चैनलों पर प्रचार सामग्री शामिल थी। पार्टी ने चुनाव प्रचार के लिए पोस्टर, बैनर, होर्डिंग और झंडों पर 55.75 करोड़ रुपए खर्च किए। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक बैठक, जुलूस और जनसभाओं पर भाजपा का खर्च 19.84 करोड़ रुपए का रहा। इनमें मंच, ऑडियो सेटअप, बैरिकेड्स और वाहनों की व्यवस्था शामिल है।

अभियान से संबंधित यात्रा व्यय में पार्टी के बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खर्च किया गया।

पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत स्टार प्रचारकों का यात्रा खर्च 168.92 करोड़ रुपए था, जबकि पार्टी के अन्य नेताओं की यात्रा पर 2.53 करोड़ रुपए खर्च किए गए। आम चुनाव में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की थी। इस जीत के लिए उसने बड़े पैमाने पर संपर्क और प्रचार अभियानों पर जोर दिया, जो उसके खर्च के तरीके से भी स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त, राज्य संबंधी चुनावों की घोषणा की तारीख से उनके पूरा होने की तारीख तक सकल प्राप्तियां अरुणाचल प्रदेश 5,552.57 करोड़ रुपए, सिक्किम 5,552.41 करोड़ रुपए और ओडिशा 5,555.65 करोड़ रुपए रहीं।

राज ठाकरे को ईवीएम पर दोष मढ़ने के कांग्रेस के एजेंडे पर विश्वास नहीं करना चाहिए : बावनकुले

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत बावनकुले ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे को कांग्रेस के चुनावी हार के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोषी ठहराने के एजेंडे पर विश्वास नहीं करना चाहिए। अमरावती में संवाददाताओं से बातचीत में राजस्व मंत्री बावनकुले ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि चुनावी हार के बाद भी पार्टी परिपक्व नहीं हुई और ईवीएम पर दोष मढ़ती रहती है। बावनकुले ने कहा, कांग्रेस के लिए, जहां भी उसने चुनाव में जीत दर्ज की, ईवीएम सही थी...उसे आत्मचिंतन करना चाहिए। जब हम लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 31 सीटें हार गए, तो हमने ईवीएम को दोष नहीं दिया, बल्कि आत्मचिंतन किया। हमने उन 29 बिंदुओं पर काम किया, जिनकी वजह से हमारी हार हुई। अगर वे आत्मचिंतन करेंगे, तो वे जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राज ठाकरे का सम्मान करती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कहा, राज ठाकरे जैसे परिपक्व व्यक्ति हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराने के कांग्रेस के एजेंडे को नहीं मानेंगे। ठाकरे ने बृहस्पतिवार को मुंबई में मनसे नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चुनाव परिणामों पर संदेह व्यक्त किया।

दिल्ली में यमुना के पानी में अमोनिया के उच्च स्तर के लिए सैनी जिम्मेदार हैंः केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को अपने उस आरोप के बारे में जवाब सौंपा जिसमें उन्होंने कहा था कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिल्ली को आपूर्ति किए जाने वाले यमुना के पानी में ''जहर'' मिला दिया है। केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा कि उनकी टिप्पणी ''कच्चे पानी में अमोनिया के खतरनाक उच्च स्तर'' के संदर्भ में थी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) को संबोधित अपने छह पृष्ठ के लिखित जवाब में केजरीवाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर राष्ट्रीय राजधानी में अत्यधिक प्रदूषित पानी भेजकर पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव को ''प्रभावित'' करने की ''साजिश'' रचने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली एवं पंजाब के मुख्यमंत्रियों क्रमशः आतिशी और भगवंत मान के साथ 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने इस मामले में निर्वाचन आयोग द्वारा उन्हें दिए गए नोटिस पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को अपना जवाब सौंपा। 'आप' नेता निर्वाचन आयुक्तों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए अमोनिया मिश्रित पानी की तीन बोतल भी अपने साथ ले गए। अपने जवाब में केजरीवाल ने कहा कि यमुना के पानी में मिला जहर ''अमोनिया'' था। उन्होंने जहर मिलाने के साक्ष्य और अन्य विवरण के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों को संदर्भित किया। केजरीवाल ने 27 जनवरी को संवाददाताओं से कहा था कि ''हरियाणा की भाजपा सरकार ने यमुना के जरिए दिल्ली को आपूर्ति किए जाने वाले पानी में जहर मिला दिया। डीजेबी के अभियंताओं का शुक्रिया, जिन्होंने इसे पकड़ लिया और पानी रोक दिया, जिससे यह दिल्ली में नहीं जा सका। यदि यह पानी पीने के पानी में मिल जाता, तो बड़े पैमाने पर नरसंहार हो सकता था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दिल्ली में अराजकता फैलाने के लिए आपूर्ति किए जाने वाले पानी में ''जहर'' मिलाने का आरोप लगाया था ताकि लोगों की मौत के लिए आम आदमी पार्टी को दोषी ठहराया जा सके। भाजपा की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने 'आप' प्रमुख को इस मामले में नोटिस जारी किया था। दूसरे नोटिस के जवाब में केजरीवाल ने अपना जवाब प्रस्तुत करते हुए कहा कि ''स्पष्ट रूप से'' उनका कथित बयान हरियाणा से दिल्ली को आपूर्ति किए जा रहे कच्चे पानी में अमोनिया के ''खतरनाक रूप से उच्च'' स्तर के संदर्भ में दिया गया था।

ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर सरकार का जोरः आर्थिक समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शुक्रवार को संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा 2024-25 कहती है कि अधिक न्यायसंगत और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार का जोर ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर रहा है।

आर्थिक समीक्षा कहती है कि बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करके विभिन्न उपाय किए गए हैं जिनमें ग्रामीण आवास, पेयजल एवं स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सामाजिक सुरक्षा और ग्रामीण संपर्क सुविधा के साथ ग्रामीण आजीविका को बढ़ाने के तरीके शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण परिवारों और छोटे व्यवसायों की वित्तपोषण जरूरतों को सूक्ष्म-वित्त संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और अन्य वित्तीय मध्यस्थों के जरिये पूरा किया जा रहा है।

आर्थिक समीक्षा कहती है कि डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक ले जाना ग्रामीण विकास के एजेंडा का एक प्रमुख पहलू रहा है। इसमें ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य मापदंडों पर भी प्राथमिक ध्यान दिया गया है।

इसके मुताबिक, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत इस साल नौ जनवरी तक 8,34,695 किलोमीटर लंबी सड़कों को मंजूरी दी गई और 7,70,983 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पूरा हो चुका था। अब तक 99.6 प्रतिशत लक्षित बस्तियों को संपर्क सुविधा से जोड़ा जा चुका है।

आर्थिक समीक्षा कहती है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 2016 से 2.69 करोड़ घर बन चुके हैं और जल जीवन मिशन के तहत लगभग 12.2 करोड़ घरों को नल-जल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 27 जनवरी तक 11.8 करोड़ शौचालय और 2.51 लाख सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम-जनमन) के तहत विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) की बस्तियों के लिए एक अलग खंड शुरू किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में आर्थिक समीक्षा पेश

आर्थिक समीक्षा मे देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने का सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक समीक्षा में देश की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 6.3 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है, जो विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए काफी नहीं है। इसके साथ ही वृद्धि को गति देने के लिए भूमि और श्रम जैसे क्षेत्रों में नियमनों को उदार बनाने और सुधार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शुक्रवार को संसद में पेश आर्थिक समीक्षा में संकेत दिया गया है कि भारत की वृद्धि सुस्त हो रही है और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए जरूरी लगभग आठ प्रतिशत वार्षिक दर हासिल करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। वहीं राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में इसके 6.4 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गई है, जो महामारी के बाद सबसे कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी। समीक्षा में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि का जो अनुमान लगाया गया है, उसे विकसित देश बनने के लिए जरूरी वृद्धि दर से काफी कम माना जा रहा है।

आर्थिक समीक्षा तैयार करने वाले मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा, कृषि उत्पादन में उछाल, खाद्य मुद्रास्फीति में अपेक्षित नरमी और स्थिर वृहद-आर्थिक परिवेश के साथ ग्रामीण मांग निकट अवधि में आर्थिक वृद्धि में तेजी का संकेत देती है। उन्होंने कहा कि अगले साल भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर जोखिम संतुलित है। नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर तनाव और अनिश्चितताओं के साथ जिंसों के दाम में तेजी की आशंका अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा करती हैं। समीक्षा में कहा गया है कि 2047 तक विकसित राष्ट्र के दीर्घकालिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत को अगले एक या दो दशक में लगभग आठ प्रतिशत वृद्धि की जरूरत है। साथ ही निवेश दर को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है जो वर्तमान में 31 प्रतिशत है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है कि भारत बाजार मूल्य पर 10.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2027-28 तक 5,000 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2029-30 तक 6,300 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। समीक्षा में नियमनों को कम कर आर्थिक सुधारों को बढ़ाकर वृद्धि के इंजन को फिर से मजबूत करने का आह्वान किया गया है।

भारतीय रुपए ने कनाडा, कोरिया, ब्राजील की मुद्राओं से बेहतर प्रदर्शन किया : आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रुपए ने कनाडाई डॉलर, दक्षिण कोरियाई वोन और ब्राजीलियाई रियाल जैसी अन्य मुद्राओं से बेहतर प्रदर्शन किया है। आर्थिक समीक्षा में यह जानकारी देते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में भारतीय रुपए में मामूली 2.9% की गिरावट आई है। भारतीय रुपए (आईएनआर) का मूल्य बाजार तय करता है, जिसका कोई लक्ष्य, विशिष्ट स्तर या मूल्य दायरा नहीं है। विभिन्न घरेलू और वैश्विक कारक आईएनआर की विनिमय दर को प्रभावित करते हैं। इनमें डॉलर सूचकांक की चाल, पूंजी प्रवाह के रुझान, ब्याज दरें, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और चालू खाते का घाटा यानी कैड शामिल हैं। समीक्षा में कहा गया, वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों (छह जनवरी 2025 तक) में भारतीय रुपए में मामूली 2.9% की गिरावट आई। इस दौरान रुपए ने कनाडाई डॉलर, दक्षिण कोरियाई वॉन और ब्राजीलियाई रियाल जैसी मुद्राओं से बेहतर प्रदर्शन किया।

तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता लौटेगी बीआरएस : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर सालभर के अंदर ही अपनी विश्वसनीयता गंवाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि (उनकी पार्टी) भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अगले विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटेगी।

हैदराबाद के निकट एर्रावल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि बीआरएस फरवरी के अंत में रैली करेगी जिसमें राज्य सरकार की कथित विफलताओं को उजागर किया जाएगा।

केसीआर के नाम से लोकप्रिय राव ने कहा, शत प्रतिशत लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि अगली सरकार हमारी होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, हमें उसके (कांग्रेस सरकार) खिलाफ लड़ना होगा। हमने कई चुनाव देखे हैं। पार्टियां जीतती हैं और हारती हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने शासन के एक साल के भीतर ही अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

केसीआर ने दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष राज्य सरकार के राजस्व में 13,000 करोड़ रुपए की गिरावट आई है और इस वित्त वर्ष के अंत तक इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि यह रूख जारी रहा तो राज्य सरकार ऐसी स्थिति में पहुंच जाएगी कि वह अगले तीन से चार महीनों में वेतन भी नहीं दे पाएगी। राव ने कांग्रेस पर मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह मानने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने कभी भी उनके लिए कोई अच्छा काम नहीं किया।

रेल नेटवर्क के विस्तार में आई कमी, डिब्बों, इंजन का उत्पादन बढ़ा : आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली/भाषा। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। शुक्रवार को संसद में पेश आर्थिक समीक्षा 2024-25 में यह जानकारी दी गई है।

समीक्षा कहती है हालांकि, रेल नेटवर्क विस्तार में कमी आई है, लेकिन रेल से संबंधित चीजों जैसे रेल के डिब्बों और इंजन का उत्पादन पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि की तुलना में बढ़ गया है।

समीक्षा के अनुसार पिछले वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर) में 2,282 किलोमीटर रेल नेटवर्क चालू किया गया था जबकि चालू वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान यह घटकर 2,031 किलोमीटर रह गया।

हालांकि इस अवधि में रेल के डिब्बों का उत्पादन बढ़कर 26,148 है गया, जो पहले 22,042 था जबकि इंजन का उत्पादन बढ़कर 1042 हो गया, जो पहले 968 था। समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 23-24 में 41 वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गईं थी जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में अक्टूबर तक देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए 17 नई वंदे भारत ट्रेन शुरू की गईं हैं।

नए हवाई अड्डों, उड़ान योजना से हवाई संपर्क में काफी सुधार हुआः आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक समीक्षा में शुक्रवार को कहा गया कि नए हवाई अड्डों और क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना से देश में हवाई संपर्क में काफी सुधार हुआ है। समीक्षा में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि हवाई अड्डा विकसित करने वालों और परिचालकों ने वित्तवर्ष 2019-20 और 2024-25 के दौरान लक्ष्यित 91,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का 91 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है। संसद में पेश वित्त वर्ष 2024-25 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया, भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला विमानन बाजार है। हवाई यातायात में पर्याप्त वृद्धि को समायोजित करने के लिए, भारतीय एयरलाइनों ने वैश्विक स्तर पर विमानों के लिए सबसे बड़े ऑर्डर दिए हैं। घरेलू एयरलाइनों ने बढ़ती हवाई यातायात मांग के बीच अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 1,700 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) उद्योग के क्षेत्र में सरकार मूल उपकरण निर्माताओं को भारत में अपने केन्द्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

आर्थिक समीक्षाः डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक की मात्रा के मानकीकरण की मांग की गई

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक समीक्षा 2024-25 में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से विज्ञापन को विनियमित करने के लिए चीनी, नमक और संतृप्त वसा के लिए पोषक तत्वों की सीमा को तत्काल परिभाषित करने का आह्वान किया गया है। समीक्षा में केंद्रीय मंत्रालय से खाद्य पदार्थों पर चेतावनी वाले लेबल (एफओपीएल) को अपनाने और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर, विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को लक्षित करने वाले खानपान पर सख्त विपणन प्रतिबंध लगाने का भी आग्रह किया।

शारीरिक स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (यूपीएफ) के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, संसद में पेश समीक्षा में जोर देकर कहा गया कि उपभोक्ताओं को इस बारे में जागरूक करना कि वे क्या खाते हैं, इसकी सामग्री और इससे जुड़े दुष्प्रभाव एक स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इसमें कहा गया कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की सामग्री, यूपीएफ के दुष्प्रभावों और स्वस्थ भोजन विकल्पों को समझना स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए।

ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विनियामक, अनुपालन दायित्व पर गौर करने की जरूरतः समीक्षा

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक समीक्षा 2024-25 में ई-कॉमर्स के माध्यम से देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विनियामक और अनुपालन दायित्वों से जुड़े मुद्दों पर गौर करने का आह्वान किया गया। इसमें कहा गया, भारत के ई-कॉमर्स निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि और देश के जीडीपी में प्रमुख योगदानकर्ता बनने की अपार संभावनाएं हैं। समीक्षा के अनुसार, भारत में ई-कॉमर्स निर्यात परिवेश वृद्धि के अवसर प्रदान करने साथ-साथ नियामकीय ढांचे और अनुपालन दायित्वों से संबंधित कुछ चुनौतियां भी पेश करता है। विक्रेताओं और ई-कॉमर्स मंच संचालकों की भूमिकाएं अभी तक स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं। इसके लिए निर्यात और भुगतान प्रक्रियाओं के विभिन्न चरणों में विक्रेताओं तथा ई-कॉमर्स कंपनियों के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है। डेटा संपर्क का विस्तार, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच, डिजिटल वॉलेट और सुरक्षित ऑनलाइन भुगतान की उपलब्धता व उपयोग में वृद्धि, ग्राहकों की आय के स्तर में वृद्धि और डिजिटल खरीदारी मंच के साथ बढ़ती परिचितता ने भारत के ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा दिया है।

ओला इलेक्ट्रिक की इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में हिस्सेदारी जनवरी में बढ़कर हुई 25 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक की जनवरी में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खंड में हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई और इसके साथ ही कंपनी ने इस खंड में अपना खोया दबदबा वापस हासिल कर लिया।

कंपनी बयान के अनुसार इस महीने उसने 22,656 वाहनों का पंजीकरण किया। इलेक्ट्रिक स्कूटर एसवन शृंखला की मजबूत बिक्री और भारत में सेवा स्टोर की संख्या को 4,000 तक बढ़ाना इसकी मुख्य वजह रही। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि मासिक आधार पर उसकी बिक्री 65 प्रतिशत बढ़ी और इसी के दम पर उसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को अपने 'जनरेशन 3' प्लेटफॉर्म पर विकसित एस1 ब्रांड के तहत आठ स्कूटर मॉडल पेश किए, जिनकी कीमत 79,999 रुपए से 1,69,999 रुपए के बीच है।

वेल्लोर में आदियोगी रथम ईशा महाशिवरात्रि की दिव्य शुरुआत करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। महाशिवरात्रि के भव्य उत्सव के निकट आते ही, थेनकेलया भक्ति पेरावई द्वारा आयोजित आदियोगी रथम 3 से 6 जनवरी तक वेल्लोर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण करेगा। साथ ही, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के सैकड़ों भक्त छह आदियोगी रथम के साथ कोयंबटूर के वेल्लियांगिरी की पैदल पवित्र तीर्थयात्रा कर रहे हैं।

कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में 31वां महाशिवरात्रि समारोह 26 फरवरी को बहुत भव्यता के साथ मनाया जाएगा। जनता को आमंत्रित करने और कोयंबटूर की यात्रा करने में असमर्थ लोगों को आदियोगी की उपस्थिति का अनुभव करने का अवसर प्रदान करने के लिए, यह वार्षिक रथ यात्रा आयोजित की जाती है, जो लोगों के गृहनगर में दिव्य उपस्थिति लाती है। वर्ष 2025 आदियोगी रथम को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में आदियोगी के सामने औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पूर्व और दक्षिण की ओर जाने वाले रथम का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया गया था।

1 और 2 फरवरी को आदियोगी रथम अर्कट्टई में होगा और 3 से 6 फरवरी तक यह वेल्लोर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुज़रेगा। 3 फरवरी को भक्त करुकम्पुथुर, शेनबक्कम टाउन, कोनवट्टम, विरिंचिपुरम, पोइगई और उसुर जैसे स्थानों पर आदियोगी के दर्शन कर सकते हैं। 4 फरवरी को रथम वीरा रेड्डी पलायम, अरियूर, थोरापडी और वेल्लोर किले का दौरा करेगा। 5 फरवरी को यह पेन्नाथुर, कनियामबाड़ी, बागयम, विरुपाचिपुरम, वेल्लापडी, कडपडी और सथुवाचारी में होगा। हर स्थान पर रथम का प्रमुख नेताओं, भगवान शिव के उत्साही भक्तों और आम जनता द्वारा गहरी श्रद्धा के साथ स्वागत किया जाता है। आदियोगी को श्रद्धांजलि देने के इच्छुक भक्त दीपक, फूल, फल और अन्य पवित्र प्रसाद चढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही, हर साल भक्तों द्वारा पारंपरिक शिव यात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष मैसूर, चेन्नई, नागरकोइल, कोयंबटूर, पोलाची और पट्टुकोट्टई के भक्त आदियोगी शिव के दिव्य स्वरूप को ले जाने वाले लकड़ी के रथ को खींचते हुए पैदल तीर्थयात्रा कर रहे हैं। कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में भव्य महाशिवरात्रि समारोह का तमिलनाडु के 50 स्थानों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। त्रिची जिले में, वायलूर मुरुगन मंदिर के पास रॉयल मंडपम, बीएचईएल के कैलाश नगर वी.एम. महल और मुसिरी में थाथैयंगर पेट्टई रोड पर लक्ष्मी महल में लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध होगी। इन स्थानों पर भक्तों की बड़ी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है, जहाँ उन्हें निःशुल्क रुद्राक्ष की माला, सद्गुरु की आनंद अलई पुस्तिका मिलेगी और वे महा अन्नदानम (एक पवित्र सामुदायिक भोज) में भाग लेंगे। उत्सव के लिए कोयंबटूर आने के इच्छुक अन्य जिलों के भक्तों के लिए परिवहन की व्यवस्था भी की गई है।

आदियोगी रथम महाशिवरात्रि से पहले दो महीनों में लगभग 30,000 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 1,000 से अधिक गाँवों से होकर गुजरेगा। अपनी पवित्र यात्रा पूरी करने के बाद, सभी रथम 26 फरवरी को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में पहुँचेंगे, जो कि भव्य महाशिवरात्रि समारोह के साथ मेल खाता है।

अधिवास आधारित आरक्षण को लेकर न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेगी तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने कहा है कि वह स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में अधिवास-आधारित आरक्षण को लेकर उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेगी। शीर्ष अदालत ने बुधवार को कहा था कि किसी राज्य द्वारा स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में अधिवास-आधारित आरक्षण दिया जाना असंवैधानिक है।

न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा था कि यदि इस तरह के आरक्षण की अनुमति दी गई तो यह कई छात्रों के मौलिक अधिकारों पर आक्रमण होगा। तमिलनाडु के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यम ने कहा कि राज्य 69 प्रतिशत आरक्षण का पालन करता है, जिसके तहत सामाजिक न्याय सुनिश्चित होता है। उन्होंने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा, सामाजिक न्याय बनाए रखने के लिए तमिलनाडु में आरक्षण अभिन्न अंग है।

आदेश के कार्यान्वयन से राज्य के अधिकार प्रभावित होंगे। सुब्रमण्यम ने कहा कि इससे तमिलनाडु के छात्रों को दिए जाने वाले 50 प्रतिशत आरक्षण पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, फैसले पर चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ चर्चा जारी है। विचार-विमर्श के तुरंत बाद उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की जाएगी।

स्वागत दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को गृहमंत्री अमितशाह का स्वागत करते हुए तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई।

कोयम्बटूर जिले के भाजपा अध्यक्ष बने जे.रमेशकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। जिले के भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष चुनाव में जे. रमेशकुमार ने फिर जीत हासिल की है। वर्ष 2025 कोयम्बटूर महानगर जिला के नए जिला अध्यक्ष की घोषणा समारोह पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उमड़े छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व कैंसर दिवस 2025 एवं एमजीएम कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा अपनी दूसरी वर्षगांठ पर दो दिवसीय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों से पांच सौ से अधिक छात्रों ने भाग लेकर बीट फियर विद फन का आनंद लिया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के ऑंकोलॉजी सेवाओं के निदेशक डॉ एम ए राजा ने किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और आम जनता को कैंसर जोखिम कारकों की रोकथाम तथा समय रहते कैंसर का पता लगाने के महत्व के बारे में बताना था। कार्यक्रम में आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय स्वास्थ्य उपायों को प्रोत्साहित किया गया तथा युवाओं को निडरता के साथ स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने हेतु जागृत किया गया। कार्यक्रम में कैंसर से बचे लोगों को सम्मानित किया गया।

एमजीएम हेल्थ केयर की निदेशक डॉ उर्जिता राजगोपालन ने कहा कि कैंसर से डर के खिलाफ एमजीएम कैंसर संस्थान पिछले दो साल से अटूट लड़ाई का जश्न मना रहा है उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि यह जागरूकता डराने वाली नहीं होनी चाहिए बल्कि सशक्त बनाने वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम जनमानस में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मैजिक शो, कलरिंग स्टेशन, इमर्सिव वीडियो बूथ जैसी इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से कैंसर जागरूकता को सुलभ और मनोरंजक बनाने का प्रयास कर रहे है उन्होंने कहा कि एक निडर भविष्य ज्ञान से शुरू होता है और हम आत्मविश्वास को प्रेरित करने मिथकों को तोड़ने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि जागरूकता से जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है।

प्रेमिका की हत्या के आरोप में तीन महीने बाद डॉक्टर गिरफ्तार

चेन्नई। अपनी प्रेमिका की मौत के बाद तीन महीने पहले फरार हुए एक होम्योपैथी डॉक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर पर आरोप है कि उसने प्रेमिका को धक्का देकर गिरा दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। शव को सड़ने से रोकने के लिए आरोपी ने शव पर रसायन छिड़का और फिर घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, 34 वर्षीय आरोपी डॉक्टर की पहचान सैमुअल एबेनेजर संपत के रूप में हुई है। वह अपनी 37 वर्षीय प्रेमिका सिंथिया के साथ किराए के मकान में रहता था। दोनों के बीच सिंथिया के पिता सैमुअल शंकर (78) के इलाज को लेकर झगड़ा हुआ था। सैमुअल वेल्लोर जिले के रहने वाले थे और बेटी के पास रहकर गुर्दे की बीमारी का इलाज करा रहे थे। झगड़े के दौरान एबेनेजर ने सिंथिया को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़ी। सिर में लगी गंभीर चोट के कारण उसकी मौत हो गई। घबराहट में एबेनेजर ने शव को सड़ने से बचाने के लिए उस पर रसायन छिड़का, फिर कमरे का एयर कंडीशनर चालू किया और फरार हो गया। लगभग तीन महीने बाद चेन्नई के तिरुमुलैवोइल इलाके में स्थित उस कमरे से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ने दरवाजा खोला तो उन्हें सिंथिया और उसके पिता सैमुअल शंकर के शव सड़े-गले हालत में मिले। इस बीच, सैमुअल शंकर के रिश्तेदारों ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

तिरुमुलैवोइल पुलिस ने सिंथिया के मोबाइल फोन की कॉल लॉग की मदद से आरोपी एबेनेजर के कांचीपुरम में होने का पता लगाया। उसे शव की पहचान करने के बहाने पुलिस थाने बुलाया गया और फिर हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में एबेनेजर ने कबूल किया कि उसकी मुलाकात सिंथिया से सोशल मीडिया पर हुई थी और फिर सिंथिया के पिता के इलाज के लिए एबेनेजर ने सिंथिया को चेन्नई आकर उसके साथ रहने को कहा। हालांकि, उसके पिता के इलाज को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी झगड़े के दौरान एबेनेजर ने गुस्से में आकर उसे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, सिंथिया की मौत सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हुई, जबकि उसके पिता सैमुअल शंकर की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई थी।

चेन्नई के एक भक्त ने टीटीडी की मुफ्त भोजन योजना के लिए एक करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति। चेन्नई के एक भक्त ने शुक्रवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) एसवी अन्नप्रसादम ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया। वेंकटेश कन्नपन ने रंगनायकुला मंडपम में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को डिमांड ड्राफ्ट के रूप में यह राशि दान की। मंदिर निकाय ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, कन्नपन ने टीटीडी के एसवी अन्नाप्रसादम ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री एन टी रामाराव ने 1985 में प्रतिदिन 2,000 तीर्थयात्रियों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की थी। हालांकि, 1994 में इस योजना के लिए श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नदानम ट्रस्ट के नाम से एक स्वतंत्र ट्रस्ट का निर्माण किया गया। वर्ष 2014 में इसे श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट के रूप में परिवर्तित किया गया। दुनिया भर से प्राप्त दान से संचालित यह ट्रस्ट राष्ट्रीयकृत बैंकों में धनराशि जमा करता है तथा उससे अर्जित ब्याज से भक्तों को भोजन उपलब्ध कराने का खर्च वजन करता है।

आधव अर्जुन हुए तमिझागा वेत्री कझगम में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लॉटरी कारोबारी सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) में शुक्रवार को शामिल हो गए और उन्हें पार्टी का चुनाव अभियान रणनीतिकार नियुक्त किया गया।

आधव ने हाल में विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) छोड़ दी थी। इसके अलावा, सी टी आर निर्मल कुमार भी टीवीके में शामिल हो गए और उन्हें पार्टी की आईटी शाखा का उप महासचिव नियुक्त किया गया है। वह पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में और बाद में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में आईटी शाखा की जिम्मेदारी संभाली थी। टीवीके अध्यक्ष विजय ने पार्टी की एक विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव' नियुक्त किए गए आधव अर्जुन उनके राजनीतिक रणनीतिकार 'जॉन अरोकियासामी' के साथ काम करेंगे।

चेन्नई में महिलाओं का पीछा करने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड पर कार से जा रहीं कुछ महिलाओं का दो वाहनों से पीछा करने के सात आरोपियों में से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पल्लीकरनई) ए.सी. कार्तिकेयन ने संवाददाताओं को बताया कि सात आरोपियों में से छह कॉलेज के छात्र हैं और उनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा शेष को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल दोनों वाहनों (दोनों एसयूवी) को भी जब्त कर लिया गया है और जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि ईस्ट कोस्ट रोड पर 25 जनवरी को तड़के तीन बजे यह घटना हुई थी, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कराई गई और मामले की जांच होने पर इस घटना में सात लोगों की संलिप्तता पाई गई। घटना के पीछे की मंशा सहित विभिन्न सवालों पर अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और इसलिए बहुत ही बुनियादी तथ्यों को छोड़कर ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता। आरोपियों की स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का झंडा लगे होने से संबंधित सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि आरोपियों में से एक यानी चालक ने टोलप्लाजा से बचने'' जैसे उद्देश्यों के लिए झंडा लगाया हुआ था और जांच में उसके किसी दल से संबंधित होने की जानकारी नहीं मिली है। अधिकारी ने कार्रवाई में देरी की बात से इनकार किया। उन्होंने कहा कि फोन कॉल के लिए जरिए पहली शिकायत मिलने के बाद ही गश्ती वाहन शिकायतकर्ता के घर पहुंच गया था। इसके बाद, प्राथमिकी दर्ज की गई और विशेष टीम गठित कर गिरफ्तारियां की गईं। आरोपियों में से एक चंद्रू के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह इन मामलों में पहले ही जेल जा चुका है।

मोदी सरकार पर जोरदार अभियोग है आर्थिक समीक्षा के लिए सीईए की प्रस्तावना : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन की ताजा आर्थिक समीक्षा की प्रस्तावना नरेन्द्र मोदी सरकार और उसकी नीतियों पर जोरदार अभियोग है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि कोई भी इस सरकार और इसकी ''हथियारबंद एजेंसियों'' पर भरोसा नहीं करता। चिदंबरम पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा कि उनका ''पाखंड और आर्थिक निरक्षरता'' हास्यास्पद होती, अगर वे इतने खतरनाक रूप से ''भ्रामक'' न होती। संसद में आर्थिक समीक्षा पेश किए जाने के बाद चिदंबरम ने एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्हें सीईए की आर्थिक समीक्षा 2024-25 की प्रस्तावना पढ़कर खुशी हुई।

उन्होंने कहा, ''अमेरिका और यूरोप के सामने आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख करने वाले शुरुआती 10 पैराग्राफ के बाद, अगले 10 पैराग्राफ भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का वर्णन करते हैं। ये नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और उसके द्वारा अबतक अपनाई गई नीतियों के खिलाफ एक जोरदार अभियोग हैं।'' चिदंबरम ने कहा कि इन 10 पैराग्राफ को पढ़ने से पता चलेगा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान सरकार ने क्या गलत किया और क्या करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को 'रास्ते से हट जाओ' की उनकी (नागेश्वरन) सलाह सबसे समझदारी वाली सलाह है। उन्होंने कहा, सीईए ने और भी स्पष्ट सलाह दी है। उनमें से कुछ हैं - उद्यमियों और परिवारों को उनका समय और मानसिक शक्ति वापस देना, विनियमन को महत्वपूर्ण रूप से वापस लेना, आर्थिक गतिविधि का सूक्ष्म प्रबंधन बंद करना।पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण सलाह विनियमन के मूल सिद्धांत को 'निर्दोष साबित होने तक दोषी' से बदलकर 'दोषी साबित होने तक निर्दोष' करना है। उन्होंने कहा, सीईए की अंतिम सलाह सबसे समसामयिक और महत्वपूर्ण है कि देश में भरोसे की कमी को मिटाना जरूरी है और सरकारी एजेंसियों को इस संबंध में एजेंडा तय करना होगा। इस पर भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने जवाब देते हुए कहा, आपका पाखंड और आर्थिक निरक्षरता हास्यास्पद होती, अगर वे इतने खतरनाक रूप से भ्रामक न होती।'' चिदंबरम सुशासन पर व्याख्यान दे रहे हैं, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में पहुंचाने वाले लोगों में वह भी शामिल थे। मालवीय ने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार, जिसमें चिदंबरम भी शामिल थे, में मुद्रा को मुक्त रूप से गिरने दिया गया और भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैल गया। आर्थिक समीक्षा को मोदी सरकार पर जोरदार अभियोग बताने का चिदंबरम का ''हास्यास्पद प्रयास'' या तो भ्रमित करने वाला है या पक्षपातपूर्ण हेकड़ी का बेशर्म प्रदर्शन है। भाजपा नेता ने कहा कि जीएसटी ने कराधान को सुव्यवस्थित किया, दिवाला कानूनों ने कॉरपोरेट गंदगी को साफ किया और पीएलआई योजनाओं ने विनिर्माण को गति दी।

कांग्रेस विधायक ने राज्यपाल द्वारा जिलों में बैठक करने पर तंज कसा, बागड़े ने जवाब दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्यपाल द्वारा जिलों में बैठकें करने पर तंज कसा। राज्यपाल ने इसका जवाब देते हुए कहा कि आदिवासी कल्याण से संबंधित समिति उनके अधिकार क्षेत्र में आती है और इसकी बैठक करना उनकी जिम्मेदारी है। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार को राज्यपाल बागड़े के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। अभिभाषण के दौरान बागड़े ने सीमावर्ती बाड़मेर जिले के तामलोर के अपने दौरे के बारे में बात की। राज्यपाल ने कहा कि वह एक गांव में गए और उन्हें पीएम आवास योजना के तहत बना एक घर देखा। राज्यपाल ने कहा कि जब उन्होंने वहां लगी टोंटी खोली तो उसमें पानी आ रहा था और लोगों ने बताया कि यह पानी 800 किलोमीटर दूर सरदार सरोवर से आया है।

इस पर डोटासरा खड़े हो गए और कहा, सरकार तो कोई बैठक नहीं कर रही है और राज्यपाल को बैठकें करने के लिए जिलों का दौरा करना पड़ रहा है। राज्यपाल ने इसके जवाब में कहा कि आदिवासी समुदाय के कल्याण से जुड़ी एक समिति उनके अधीन आती है और इसकी बैठकें करना उनका दायित्व और कर्तव्य है। उन्होंने कहा, मैं हर जिले का दौरा करूंगा और बैठकें करूंगा।

डोटासरा बाद में भी अभिभाषण के दौरान एक दो बार उठकर बोले लेकिन राज्यपाल ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। राज्यपाल ने लगभग एक घंटे 26 मिनट तक भाषण पढ़ा। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (अब राम जल सेतु) योजना में देरी के लिए राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार भी ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में हुए जल जीवन मिशन घोटाले ने राजस्थान की छवि खराब हुई।

राज्यपाल ने कहा कि मौजूदा सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है, जबकि कांग्रेस के शासन में पेपर लीक होने से परीक्षाओं में देरी होती थी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने 81,000 पदों को भरने के लिए कैलेंडर जारी किया है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार युवाओं को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान समिट' इसे साकार करने का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश की मजबूत नींव रखी गई है, जिससे राज्य का औद्योगिक विकास होगा। बागड़े ने कहा कि जिस तरह 'वाइब्रेंट गुजरात' के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से गुजरात में निवेश आया, उसी तरह 'राइजिंग राजस्थान' में भी 32 देशों के प्रतिनिधि आए।

सदन में बामनवास से कांग्रेस विधायक इंद्रा मीणा ने समरावता प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग लिखी जैकेट पहनी थी। वहीं एक विधायक ने नीम का थाना को जिला बनाए रखने की मांग वाली जैकेट पहन रखी थी। अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

अभिभाषण के साथ राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र शुरू

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। इससे पहले राज्यपाल बागड़े का विधानसभा पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने उनका स्वागत किया। विधानसभा के मुख्य द्वार पर राज्यपाल बागड़े को आरएसी बटालियन द्वारा सलामी दी गई।

राज्य की 16वीं विधानसभा का यह तीसरा सत्र है। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर तीन, पांच और छह फरवरी को चर्चा होगी। सरकार की ओर से इसका जवाब सात फरवरी को दिया जाएगा। वहीं आठ से 18 फरवरी तक सदन में अवकाश रहेगा और 19 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा।

बचपन को जाने बिना आज की सुधा मूर्ति नहीं बन सकती थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 में प्रसिद्ध लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति ने अपनी नई पुस्तक 'कोकोनट एंड बर्फी' पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने परिवार, बचपन, जिज्ञासा और खुश रहने के छोटे-छोटे तरीकों पर अपने विचार साझा किए। अमर उजाला के साथ खास इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी किताबों से लेकर अपने बचपन के कई किस्से साझा किए।

सुधा मूर्ति ने कहा कि आज के दादा-दादी और नाना-नानी टीवी सीरियल्स और बनावटी कहानियों में व्यस्त रहते हैं, जबकि असली पारिवारिक मूल्यों को समझना और उन पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीवन में खुश रहने के लिए बड़ी वजह की आवश्यकता नहीं होती।

उन्होंने कहा कि जब आपके मन में कुछ नया सीखने की इच्छा और जिज्ञासा हो, तो वही बचपना है। मैं कभी 70 साल की सुधा मूर्ति नहीं बन सकती यदि मैंने अपने 8 साल के बचपने को नहीं जाना। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। बच्चे न केवल पढ़ाई से बल्कि अपने आसपास की दुनिया से भी बहुत कुछ सीखते हैं। यदि हम अपनी जिज्ञासा को बनाए रखें, तो उम्र के बावजूद नई चीजें सीख सकते हैं। सुधा मूर्ति ने कहा, खुश रहने के लिए बड़ी वजह की जरूरत नहीं होती। हर छोटी चीज को एंजॉय करना ही असली खुशी है। उन्होंने यह भी बताया कि छोटी-छोटी चीजों में खुशी ढूंढने की आदत जीवन को सुंदर बनाती है।

भारतीय संस्कृति और साहित्य की समृद्धता पर चर्चा करते हुए सुधा मूर्ति ने कहा, विदेशों में गिनी-चुनी कहानियां होती हैं, जबकि भारत में हर चीज हमारी संस्कृति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय कहानियों और परंपराओं की विविधता हमें अपनी पहचान पर गर्व करने का अवसर देती है।

डिस्कॉम, टाटा अक्षत ऊर्जा के बीच करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पीएम सूर्य घर निशुल्क बिजली योजना को बढ़ावा देने के लिये राज्य की तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों एवं टाटा पावर अक्षत ऊर्जा के बीच शुक्रवार को करार किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक ने बताया कि विद्युत कम्पनियों की ओर से डिस्कॉम्स की अध्यक्ष आरती डोगरा और टाटा अक्षत ऊर्जा तरफ से मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंधक निदेशक दीपेश नन्दा ने करार पर हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आलोक ने कहा कि राज्य में पीएम सूर्यघर योजना में बड़ी संख्या में पंजीकरण हो चुके हैं। टाटा पावर के साथ इस साझेदारी से डिस्कॉम्स को इन पंजीकरण को अधिष्ठापन में बदलने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य आमजन को सौर ऊर्जा से जोड़कर बिजली खर्च से उन्हें मुक्ति दिलाना है।

टीपीआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रबंध निदेशक नन्दा ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना देश में आमजन को ऊर्जा दाता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। कंपनी राज्य में फैले अपने तंत्र के माध्यम से इस योजना में लोगों की भागीदारी बढ़ाने में सहायता करेगी। उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्य घर योजना रूफ टॉप सोलर के माध्यम से सौर ऊर्जा को घर-घर तक पहुंचाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल है।

इसके तहत राज्य में अब तक एक वर्ष से भी कम समय में 26 हजार से अधिक घरों में रूफ टॉप सोलर लगाये जा चुके हैं। इस करार के माध्यम से टाटा अक्षत ऊर्जा वेंडर्स का प्रशिक्षण, जागरूकता प्रसार की गतिविधियों आदि के जरिये रूफ टॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिये डिस्कॉम्स को आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) देवेन्द्र श्रृंगी, अजमेर डिस्कॉम के एमडी के पी वर्मा सहित टाटा पावर के अधिकारी भी मौजूद थे।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शुक्रवार को नार्वे की राजदूत श्रीमती मे.एलिन स्टेनर ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे दुग्ध उत्पादन और पशुधन संपदा के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों ने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास योजनाओं के समन्वय और निवेश संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस दौरान मौजूद रहे। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

महाकुंभ भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका, जांच में सच्चाई आएगी सामने : किरोड़ी लाल मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

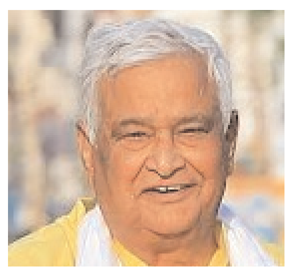

जयपुर । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ की घटना पर राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक यह घटना कैसे हो गई। मुझे लगता है कि इसके पीछे कहीं न कहीं साजिश है। उन्होंने कहा, 'हमें भी लगता है कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक ये कैसे हो गया। विपक्ष और दूसरे देशों के लोग इस बात से खुश नहीं थे कि यह आयोजन इतना भव्य कैसे हो रहा है। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर इस तरह की घटना हो जाती है। कुछ न कुछ साजिश है। जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में घटना की सच्चाई सामने आ जाएगी।

कुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 90 से ज्यादा घायल हो गए। मृतकों के परिजनों के लिए राज्य सरकार द्वारा 25-25 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया गया है। वहीं, भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं का इलाज किया जा रहा है। राजस्थान में सूर्य नमस्कार पर विपक्ष के हंगामे पर किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, सूर्य पूरे विश्व को प्रकाश प्रदान करता है और जीवन में प्रकाश लाता है। हमें ऊर्जा देता है। सूर्य को नमस्कार करने और योगाभ्यास करने से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसका विरोध करने वाले लोग सनातनी परंपरा का मखौल उड़ा रहे हैं। पीएम मोदी के फिट इंडिया वाले बयान पर उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो कहा, वह सही कहा है। हम रोज फैटी एसिड खा रहे हैं, इससे बीमारियां बढ़ रही हैं। मोदी जी ने जितना कहा है, उससे ज्यादा आपको फिट रहने के लिए मेहनत करनी चाहिए, योग करना चाहिए, एक्सरसाइज करनी चाहिए।

विधानसभा में शोकाभिव्यक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तृतीय सत्र में शुक्रवार को सदन ने विगत दिनों दिवंगत विशिष्टजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को इस बिछोह को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रारम्भ में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शोक प्रस्ताव रखते हुए दिवंगत विशिष्टजनों पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल एस.एम.कृष्णा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य, पूर्व सांसद नटवर सिंह, महेन्द्र सिंह मेवाड़, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. ज्ञानप्रकाश पिलानिया, विधायक जुबेर खान, अमृत लाल मीणा, पूर्व विधायक हरसहाय मीणा, सुन्दरलाल , गुरजन्ट सिंह, बनवारी लाल शर्मा, मोहन मेघवाल, श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, रेवती प्रसाद कोली, श्रीराम मीणा एवं रणमल सिंह द्वारा राजनैतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में दी गयी सराहनीय सेवाओं का उल्लेख किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन का उल्लेख करते हुए बताया कि डॉ. सिंह 6 बार राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वे वर्ष 2019 में राजस्थान से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए।

डॉ. सिंह राज्यसभा में विभिन्न समितियों के सदस्य, सभापति एवं नेता प्रतिपक्ष भी रहे। प्रख्यात अर्थशास्त्री रहे डॉ. सिंह केन्द्र सरकार में वित्त मंत्री रहे। उनकी नीतियों एवं नवीन दृष्टीकोण से देश में उदारीकरण एवं आर्थिक सुधारों की शुरूआत हुई।

रामगढ़ टाइगर रिजर्व में दो बाघों में खूनी संघर्ष, आरवीटीआर-4 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। रामगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ आरवीटीआर-4 का शव शुक्रवार सुबह लहुलुहान हालत में मिलने से हड़कम्प मच गया। 6 महीने में ही दो बाघों की संदिग्ध मौत होने से रामगढ़ का प्रबंधन सवालों के कटघरे में आ गया। आरवीटीआर-4 की मौत टेरिटोरियल फाइट में होना बताया जा रहा है। हालांकि, स्पष्ट कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा। इस बाघ को तीन महीने पहले ही सरिस्का टाइगर रिजर्व की टीम ने हरियाणा से रेस्क्यू कर रामगढ़ में शिफ्ट किया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बाघ आरवीटीआर-4 की मौत तीन दिन पहले ही हो चुकी थी। रेडियो कॉलर के सिग्नल दो दिन से एक ही जगह मिल रहे थे। बाघ की लोकेशन जैतपुर रेंज की नंदपुरा पहाड़ी पर रही। खतरे की संभावना को देखते हुए ट्रैकिंग टीम मौके पर पहुंची तो आरवीटीआर-4 लहुलूहान हालत में मृत पड़ा था।बताया जा रहा है, आरवीटीआर-4 का सामना अपने से दोगुनी उम्र के आरवीटीआर-1 से हुआ। जहां दोनों में टेरिटोरियल फाइट हुई, जिसमें आरवीटीआर-4 की मौत हो गई।

बाघ आरवीटीआर-4 को जैतपुर रेंज में बजालिया सॉफ्ट एनक्लोजर से गत 4 जनवरी को 26 दिन पहले ही हार्ड रिलीज किया गया था। यह अपनी टेरिटेरी बनाने के लिए इलाका छान रहा था। इस बीच इसने दो दर्जन से अधिक शिकार भी किए। कुछ दिनों से इसका मूवमेंट नंदपुरा की पहाड़ियों पर था। इस बीच उसका सामना 6 वर्षीय बाघ आरवीटीआर-1 से हुआ। जहां दोनों में खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें आरवीटीआर-4 की मौत हो गई। लेकिन, वन्यजीव प्रेमियों ने टेरिटोरियल फाइट पर संशय जताते हुए कहा कि बाघों की संख्या के मुकाबले रामगढ़ का क्षेत्रफल कहीं ज्यादा है। ऐसे में टेरिटोरियल फाइट की संभावना नहीं बनती। वन अधिकारियों को मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा करना चाहिए। यह बाघ सरिस्का टाइगर रिजर्व अलवर का था। यह वहां से निकल कर हरियाणा के झाबुआ में पहुंच गया था। सरिस्का प्रबंधन ने रणथम्भौर की मदद से गत वर्ष 10 नवम्बर को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया था। इसके बाद 11 नवंबर को रामगढ़ की जैतपुर रैंज में 5 हैक्टेयर के पोर्टेबल एनक्लोजर में शिफ्ट किया था।

डोटासरा का अभिभाषण के माध्यम से सरकार पर झूठ बुलवाने का आरोप : राज्यपाल से झूठी बातें कहलवाई, किरोड़ी ने खोली इनकी पोल

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के विधानसभा में अभिभाषण पर पीसीसी चीफ गोविन्द डोटासरा ने हमला बोलते हुए अभिभाषण के माध्यम से सरकार पर झूठ बुलवाने का आरोप लगाया। विधानसभा में मीडिया से बात करते हुए डोटासरा ने कहा कि राज्यपाल से सरकार ने झूठी बातें कहलवाई। बिजली, पानी, नौकरी, पट्टे वितरण जैसे मुद्दों पर केवल झूठ बोला गया।

केबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने इनके एक साल के कार्यकाल की पोल खोल कर रख दी है। शिक्षा मंत्री नैतिक शिक्षा की बात कर रहे हैं, उनके मुंह से नैतिक शिक्षा जैसे शब्द अच्छे नहीं लगते। ये पट्टे वितरण की बात कर रहे हैं। ये पट्टे बड़ी राशि देने के बाद मिल रहे हैं। लोग याद कर रहे हैं कि कांग्रेस के राज में उनको 500 रूपए में पट्टे मिल रहे थे। इनके सड़कों के आंकड़े बड़े हास्यास्पद हैं।

ये पहले सड़क मंत्री और सीएम की अंदरूनी लड़ाई तो सुलझा लें। सरकार ने निर्लजता से राज्यपाल से यह पढ़वा लिया कि राजस्थान में कानून व्यवस्था बहुत अच्छी है। राज्यपाल अभिभाषण में हुई बहस पर डोटासरा ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण जब भाषण बनने लगा, तो हमने टोका।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे वर्ष आयोजित होंगे कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में वर्ष पर्यंत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से जनमानस में सहकारिता विभाग और सहकारी संस्थाओं की अच्छी छवि का निर्माण होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा की जा रही कवायद का लाभ किसानों, सहकारी संस्थाओं के सदस्यों और सहकारी संस्थाओं तक बेहतर रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। श्रीमती राजपाल शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष, 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के सम्बन्ध में आमुखीकरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के सम्बन्ध में माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में अपेक्स कमेटी, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी और जिला कलक्टर्स की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटियों का गठन किया जा चुका है। उन्होंने निर्देश दिए कि फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित करवाकर राज्य स्तर से जारी एसओपी के अनुसार जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का कैलेण्डर तैयार कर आयोजनों की अविलम्ब शुरूआत की जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित किए जाने वाली गतिविधियों में उस जिले से सम्बन्धित महत्वपूर्ण अवसरों का ध्यान रखा जाए।

युवाओं का रुझान मॉल की तरफ बढ़ रहा, थिएटर में जाना पसंद नहीं करते : इला अरुण

जयपुर/दक्षिण भारत। इला अरुण ने कहा कि मेरे लिए थिएटर एक जिंदगी है, एक मंदिर है। मैं रेलगाड़ी से चर्च गेट तक जाती थी, आज भी थिएटर के हालात ठीक नहीं हैं। आज के यूथ का भी थिएटर को सपोर्ट नहीं है। एक हजार रुपये बर्गर और पिज्जा में खर्च कर देंगे। युवाओं का रुझान मॉल की तरफ है। 300 रुपये खर्च करके थिएटर में जाना पसंद नहीं करते। उधर, पिछले 40 साल से सरकार की मदद भी नहीं मिल रही है, जिसके चलते थिएटर आगे नहीं बढ़ रहा है।

सिंगर इला अरुण ने कहा, 'चोली के पीछे' मेरा सिग्नेचर ट्यून बन चुका है। थिएटर मेरे लिए मंदिर है। सिंगर इला अरुण ने थिएटर से जुड़े अपने अनुभव शेयर कीं। उन्होंने कहा कि 42 साल से मैं अपना काम कर रही हूं, बिना सरकारी मदद के। लेकिन आज मैं यह कहना चाहूंगी कि लोग पिज्ज़ा बर्गर और मॉल में जाकर अपना पैसा और समय बर्बाद करते हैं, लेकिन थिएटर में आना पसंद नहीं करते। इस सत्र में एमके रैना, अंजुला बेदी और आसद लल्लीजी ने भी अपने विचार साझा किए। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि थिएटर एक महत्वपूर्ण कला है, लेकिन इसे बचाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। इला अरुण ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, थिएटर मेरे लिए मंदिर है। मैं चाहती हूं कि युवा इसकी ओर आकर्षित हों और इस कला को जीवित रखें। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल इस तरह के सत्र कला और संस्कृति को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है।

सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों के दिल से दूरियों का भाव समाप्त किया : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों के दिल से दूरियों का भाव समाप्त किया है और किसी क्षेत्र में ये भावना नहीं होनी चाहिए कि वो विकास में पीछे छूट रहे हैं।

राष्ट्रपति ने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को लोकसभा कक्ष में संबोधित करते हुए कहा ''विकसित भारत की एक महत्वपूर्ण कसौटी, देश का संतुलित विकास है। किसी क्षेत्र में यह भावना नहीं होनी चाहिए कि वो विकास में पीछे छूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों की इन्हीं भावनाओं को समझा, उनके दिल से दूरियों का भाव समाप्त किया तथा 10 से अधिक शांति समझौते कर सरकार ने अनेक गुटों को शांति के मार्ग से जोड़ने का काम किया है।

मुर्मू ने इस बात का उल्लेख किया कि पूरा देश पूर्वोत्तर के आठ राज्यों की संभावनाओं को देख सके, इस दिशा में पहले अष्टलक्ष्मी महोत्सव का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर के विकास के साथ-साथ सरकार ने देश के पूर्वोदय यानी पूर्वी राज्यों के सर्वांगीण विकास की कार्य-योजना पर काम शुरू कर दिया है जिससे रोज़गार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

मुर्मू के अनुसार, अंडमान निकोबार एवं लक्षद्वीप में विकास की कई परियोजनाएं प्रारम्भ कर उन्हें राष्ट्र की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

सरकार ने सेवा, सुशासन, समृद्धि और स्वाभिमान को अपने शासन के केंद्र में रखा है

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत की उड़ान को संविधान के आदर्शों का सतत मार्गदर्शन मिलता रहे, इसके लिए सरकार ने सेवा, सुशासन, समृद्धि और स्वाभिमान, इन प्रमुख सिद्धांतों को शासन के केंद्र में रखा है।

मुर्मू ने कहा, सरकार 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के अपने संकल्प को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रगति की भव्य इमारत को नई बुलंदियों तक ले जाने के लिए मजबूत स्तंभों की जरूरत होती है और भारत के विकास के लिए सरकार ने 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के ऐसे ही तीन मजबूत स्तंभ बनाए हैं।

मुर्मू ने कहा, आज ये शब्द पूरी दुनिया में भारत के नए सुशासन मॉडल का पर्याय बन गए हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने देश के अत्यन्त पिछड़े इलाकों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम प्रारम्भ कर सुशासन का एक अनूठा प्रयोग किया है। इस कार्यक्रम से इन जिलों में स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, सामाजिक विकास और शिक्षा जैसे विभिन्न मापदंडों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, यूएनडीपी की एक रिपोर्ट में इस पहल की बहुत सराहना की गई है। इस सफलता से प्रेरित होकर अब देश के पांच सौ आकांक्षी ब्लॉक में भी समग्र विकास हेतु अभियान प्रारम्भ किया गया है।

भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क अब एक हजार किलोमीटर के स्तर को पार कर चुका है और यह देश में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। मुर्मू ने कहा, शहरी यातायात को सुगम बनाने के कार्य लगातार जारी हैं। दिल्ली, पुणे, ठाणे और बेंगलूरु में मेट्रो परियोजनाएं और अहमदाबाद-भुज मार्ग पर शुरू हुई नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं विकसित भारत के शहरों का स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत को गति देने के लिए हमारे शहरों को भविष्य के लिहाज से तैयार करना आवश्यक है। मुर्मू ने कहा, इस दिशा में मेरी सरकार ने शहरी सुविधाओं का आधुनिकीकरण कर उन्हें ऊर्जा दक्ष बनाने पर जोर दिया है।

रेलवे लाइन के माध्यम से कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ा गया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि उधमपुर-बारामूला-श्रीनगर रेल परियोजना पूरी होने के साथ ही कश्मीर अब कन्याकुमारी से रेलवे लाइन के जरिए जुड़ गया है।

मुर्मू ने कहा, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना पूरी हो गई है, जो देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे लाइन के जरिए जोड़ती है। उन्होंने कहा ''इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत चिनाब पुल का निर्माण किया गया है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। इसके अलावा भारत का पहला रेल केबल ब्रिज 'अंजी' भी बनकर तैयार हो गया है।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश भर में 71 वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनें चल रही हैं, जिनमें पिछले छह महीनों में 17 नई वंदे भारत ट्रेनें और एक नमो भारत ट्रेन शामिल की गई हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए कई पहल की हैं, जिनमें जलवायु-अनुकूल एवं अच्छी उपज देने वाली उन्नत प्रजातियां विकसित करना और सूखा प्रभावित क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराने के लिए नदी जोड़ो परियोजनाएं शुरू करना शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 6 महीने में फसलों की जलवायु अनुकूल, बायो-फॉर्टिफाइड' व अच्छी उपज देने वाली 109 उन्नत प्रजातियाँ किसानों को सौंपी गई हैं। कुछ सप्ताह पहले ही भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 साल पूरे हुए हैं। वेदर रेडी व क्लाइमेट स्मार्ट भारत के लिए मेरी सरकार ने 2,000 करोड़ रुपए की लागत से मिशन मौसम प्रारम्भ किया है, जिसका लाभ हमारे किसानों को भी मिलेगा। बाबासाहेब अंबेडकर के विजन पर चलते हुए, देश के सूखाग्रस्त इलाकों में सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए, मेरी सरकार ने दो ऐतिहासिक नदी-जोड़ो परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 44,000 करोड़ रुपए से अधिक लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लाखों ग्रामीण भाई-बहनों को लाभ मिलेगा। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना से राजस्थान और मध्य प्रदेश में सिंचाई और पीने के पानी की आवश्यकता की पूर्ति होगी। उन्होंने कहा कि पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करने के लिए बारह हज़ार करोड़ रु. की अतिरिक्त राशि भी स्वीकृत की गई है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्णः राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद में अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियां अनुपयुक्त, दुर्भाग्यपूर्ण थीं और ऐसी टिप्पणियों से बचा जाना चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय ने ऐसी टिप्पणियों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इससे पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि ऐसा हो सकता है कि ये नेता ''हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं के मुहावरे और विमर्श'' से वाकिफ नहीं हों, इसलिए इस तरह की गलत धारणा बना ली। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, किसी भी मामले में, ऐसी टिप्पणियां अनुपयुक्त, दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह से टालने योग्य हैं। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान के मुताबिक, इन नेताओं ने कहा है कि राष्ट्रपति अंत तक ''बहुत थक गई थीं'' और वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। बयान में कहा गया, राष्ट्रपति भवन यह स्पष्ट करना चाहता है कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। राष्ट्रपति किसी भी समय थकी नहीं थीं।

राष्ट्रपति ने 'बेहतरीन' भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का 'शाही परिवार' उनके अपमान पर उतर आया : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर की गई एक टिप्पणी के लिए शुक्रवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आलोचना की और कहा कि यह देश के जनजातीय समुदाय का अपमान है। मोदी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सत्रों को संबोधित करते हुए 'बेहतरीन' भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का 'शाही परिवार' उनके अपमान पर उतर आया है।

सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद कहा कि वह अपने संबोधन के आखिर तक थक गई थीं और बहुत मुश्किल से बोल पा रही थीं। उन्होंने संसद परिसर में कहा, अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारका में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं सोनिया, उनके बयान को तोड़ा-मरोड़ा गया: प्रियंका

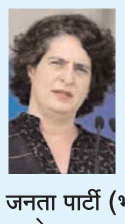

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद सोनिया गांधी द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी मां राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करती हैं तथा उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। कांग्रेस महासचिव एवं केरल की वायनाड सीट से सांसद प्रियंका ने यह भी कहा कि सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर माफी की मांग करने वाली भाजपा को पहले 'देश को डुबोने' के लिए माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मेरी मां 78 साल की एक बुजुर्ग महिला हैं। उन्होंने सिर्फ यह कहा कि राष्ट्रपति इतना लंबा भाषण पढ़कर थक गई होंगी। वह महिलाओं का बहुत सम्मान करती हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया ने इसे तोड़-मरोड़कर पेश किया।

'सर्वजन हिताय व सुखाय' के बिना देशहित अधूरा : राष्ट्रपति के अभिभाषण पर मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि ''सर्वजन हिताय व सुखाय के बिना देशहित अधूरा है। बसपा प्रमुख मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव के बाद संसद के पहले बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति का अभिभाषण देश में जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, जीएसटी कर बोझ, घरेलू बचत में कमी आदि से त्रस्त करोड़ों गरीब, मेहनतकश व मध्यम वर्ग बहुजनों हेतु राहत व उम्मीद तो दूर सांत्वना देने वाला भी नहीं है। उन्होंने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, केन्द्र की नीति मुट्ठी भर बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों की संख्या बढ़ाने एवं उन्हें हर प्रकार का लाभ पहुंचाने के बजाय गरीब, मजदूर, किसान, मध्यम वर्ग आदि बहुजनों का दुख-दर्द मिटाने पर केन्द्रित होना जरूरी है, तभी आगे जनहित संभव होगा। 'सर्वजन हिताय व सुखाय' के बिना देशहित अधूरा है।

योगी नैतिक रूप से जा चुके हैं, अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में पिछले दिनों हुई भगदड़ की घटना के लिए राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ''संत-महात्माओं और आम जनता का भरोसा खो चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नैतिक रूप से जा चुके हैं और अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे।

सपा की ओर से यहां जारी एक बयान के अनुसार यादव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ सरकार की गलती से हुई है, इसके लिए पूरी तरह सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। भगदड़ में जान गंवाने वालों की सही संख्या नहीं बता रही है। भाजपा सरकार मृतकों की संख्या इसलिए छिपा रही है, जिससे उसे मुआवजा नहीं देना पड़े। यह सरकार की संवेदनहीनता है।

यादव ने कहा, अब तो संत और धर्माचार्य भी महाकुंभ की अव्यवस्था और सरकार के झूठ पर खुल कर बोल रहे हैं। संत महात्मा भी मुख्यमंत्री जी के झूठ से दुःखी हैं। सभी लोग कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी झूठे हैं। सरकार झूठ बोल रही है। परिजन अपनों के लिए परेशान हैं। सरकार मृतकों और घायलों की संख्या छिपा रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, मुख्यमंत्री जी (योगी आदित्यनाथ) तो नैतिक रूप से जा चुके हैं, अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे। महाकुंभ घटना पूरी तरह से सरकार की नाकामी है। उन्होंने कहा, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार ने आम लोगों का भरोसा खो दिया है। यह उनकी नैतिक हार है। जब संत-महात्मा भी मुख्यमंत्री को झूठा कह रहे हैं तो मुख्यमंत्री की इससे बड़ी हार और क्या हो सकती है।

भाजपा ने राष्ट्रपति पर टिप्पणी के लिए सोनिया गांधी की निंदा की, बिना शर्त माफी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए की गई एक टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि यह ''बेहद अपमानजनक'' है और यह सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा के प्रति विपक्ष की ''निरंतर उपेक्षा'' को दर्शाता है।

भाजपा के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति मुर्मू के लिए की गई टिप्पणी को लेकर उनकी कड़ी निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें। नड्डा ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति को संदर्भित कर इस्तेमाल किए गए शब्द बेहद अपमानजनक हैं और यह सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा के प्रति विपक्ष की निरंतर अवहेलना को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, यह कोई पहली घटना नहीं है। जब राष्ट्रपति सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित कर रही थीं तो विपक्ष ने अपनी सामंती मानसिकता से प्रेरित होकर पिछड़े वर्गों और महिलाओं के सशक्तीकरण का मजाक उड़ाया। नड्डा ने कहा कि वह और उनके साथ-साथ भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द के मद्देनजर सोनिया गांधी की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, इस तरह के शब्दों का जानबूझकर इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी के संभ्रांतवादी, गरीब विरोधी और आदिवासी विरोधी स्वभाव को दर्शाता है। मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रपति जी और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगे। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने बार-बार संवैधानिक मानदंडों के प्रति खुल्लम-खुल्ला अवहेलना दिखाई है और तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए उसने बाबासाहेब अंबेडकर के प्रति अनादर की अपनी विरासत को मर्यादाहीन सहजता के साथ आगे बढ़ाया है।

तेंदुलकर बीसीसीआई 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से होंगे सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को शनिवार को यहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक समारोह में बोर्ड के 'लाइफटाइम अचीवमेंट (जीवनपर्यन्त उपलब्धि)' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

तेंदुलकर इस पुरस्कार के 31वें प्राप्तकर्ता होंगे। बीसीसीआई ने भारत के पहले कप्तान कर्नल सीके नायडू के सम्मान में 1994 में इस पुरस्कार को शुरू किया था। नायडू का 1916 से 1963 के बीच 47 साल लंबा प्रथम श्रेणी करियर रहा है। यह एक विश्व रिकॉर्ड है। नायडू ने प्रशासक के रूप में भी खेल की सेवा की थी।

बोर्ड के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, हां, उन्हें वर्ष 2024 के लिए सी के नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

तेंदुलकर के 200 टेस्ट और 463 एकदिवसीय मैच इस खेल के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक हैं। उन्होंने वनडे में 18,426 रनों के अलावा 15,921 टेस्ट रन बनाए हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है।

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री और पूर्व दिग्गज विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को 2023 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

अपने युग के महानतम बल्लेबाज माने जाने वाले तेंदुलकर को हर परिस्थिति में सहजता से रन बनाने के लिए जाना जाता था।

उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट पदार्पण किया और अगले दो दशक में दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए। उनके नाम टेस्ट और वनडे प्रारूप को मिलाकर 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।

बल्लेबाजी के कई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले तेंदुलकर भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य भी थे। यह उनका रिकॉर्ड छठा और आखिरी विश्व कप था।

भारतीयों के पास रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की क्षमताः अमृतराज

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व महान टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज का मानना है कि भारतीय खिलाड़ी अगर 'सब कुछ झोंकने' के साथ असाधारण प्रतिबद्धता दिखाने को तैयार रहे तो वे विश्व रैंकिंग में शीर्ष पायदान के करीब पहुंच सकते हैं। भारतीय टीम डेविस कप के विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ में शनिवार को कम रैंकिंग वाले टोगो का सामना करेगी। अमृतराज ने कहा कि भारतीय टीम इस टाई की जीत की दावेदार होगी लेकिन यह आसान नहीं होगा।

भारत के महानतम एकल खिलाड़ियों में शामिल अमृतराज ने कहा, प्रतिस्पर्धा कठिन है (अंतरराष्ट्रीय टेनिस में)। कोई भी यह नहीं कह रहा कि चीजें आसान है। अगर यह आसान होता, तो हर कोई इसे कर लेता। यहां यह बात अहम है कि आप कितनी मजबूत प्रतिबद्धता दिखाते हैं। यह प्रतिबद्धता खेल के प्रति पूर्ण समर्पण और सब कुछ झोंकने को तैयार रहने जैसी होनी चाहिए। यह ऐसा खेल है जिसमें कोई गारंटी नहीं है। भारत के सिर्फ सुमित नागल इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के मुख्य दौर में पहुंचने में सफल रहे लेकिन साल के पहले ग्रैंड स्लैम में वह शुरुआती दौर से बाहर हो गए।

बिहार भाजपा समर्थकों ने हमारे सांसद पर हमला किया, यह जंगलराज की मिसाल : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बिहार के सासाराम से उसके सांसद मनोज राम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों ने जानलेवा हमला किया जो राज्य में 'जंगल राज' होने की एक मिसाल है। बिहार के कैमूर जिले में बृहस्पतिवार को स्कूल बस खड़ी करने को लेकर हुई मारपीट में सासाराम लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनोज राम गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, बिहार में एक कल एक दुखद घटना हुई। सासाराम के सांसद मनोज राम जी के स्कूल के दो चलकों को पीटा गया, दोनों अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं। उनके भाइयों को 'जाति सूचक' शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया। उन्होंने कहा, घटना की जानकारी सांसद हुई तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

राष्ट्रपति का अभिभाषण पूरी तरह से राजनीतिक था : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण को ''पूरी तरह से राजनीतिक भाषण'' बताया और दावा किया कि इसमें इस बात की कोई स्वीकार्यता नहीं थी कि देश के आम लोग रोजाना किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रपति से ''पूरी तरह से राजनीतिक भाषण'' दिलवाया है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह एक बहुत ही पूर्वानुमानित भाषण था, जिससे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। थरूर ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, उनका काम अपनी सरकार की प्रशंसा करना है, उन्होंने ऐसा किया। लेकिन हमें इस बात की चिंता है कि उनके भाषण में उन बातों का जिक्र नहीं था, जिन्हें पूरा करने में सरकार विफल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, तथ्य यह है कि बेरोजगारी बहुत अधिक है, युवा न केवल रिकॉर्ड बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं, बल्कि शिक्षित युवाओं के पास भी नौकरियां नहीं हैं। उन्होंने कहा, इन सभी परिस्थितियों में हम वास्तव में एक चुनौती का सामना कर रहे हैं। राष्ट्रपति के भाषण में इस बात की कोई स्वीकृति नहीं थी कि भारत का सामान्य नागरिक दिन-ब-दिन क्या अनुभव कर रहा है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि मुर्मू का अभिभाषण ''दुर्भाग्य से सरकार की कथित उपलब्धियों की झूठी सूची को दोहराने से ज्यादा कुछ नहीं था। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति भवन को हर साल की शर्मिंदगी से बचना चाहिए। अन्यथा भारत के माननीय राष्ट्रपति को अपने मन की बात कहने की अनुमति दी जानी चाहिए।

बीसीसीआई पुरस्कारः जसप्रीत बुमराह को पुरुष क्रिकेटर, मंधाना को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। करिश्माई तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पॉली उमरीगर पुरस्कार के लिए चुना गया जबकि स्मृति मंधाना ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार जीता जो शनिवार को बोर्ड के वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान दिए जाएंगे।

बुमराह को 2024 में कौशल, सटीकता और निरंतरता के साथ शानदार प्रदर्शन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का टेस्ट और ओवरऑल साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने पिछले साल भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड तथा बांग्लादेश के खिलाफ भारत की घरेलू शृंखलाओं में जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह 31 वर्षीय तेज गेंदबाज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा और उन्होंने पांच टेस्ट मैच में 32 विकेट चटकाए। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय क्रिकेटर मंधाना ने 2024 में 743 रन बनाए। उन्होंने चार एकदिवसीय शतक बनाए जो महिलाओं के एकदिवसीय प्रारूप में एक साल में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले साल सौ से अधिक बाउंड्री लगाई जिसमें 95 चौके और छह छक्के शामिल हैं। इस 28 वर्षीय क्रिकेटर के एकदिवसीय मुकाबलों में 57.86 की औसत और 95.15 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में 537 विकेट के साथ भारत के दूसरे और दुनिया के आठवें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के रूप में दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को विशेष पुरस्कार के लिए चुना गया। नवंबर 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 37 साल के अश्विन ने स्वदेश में लंबे प्रारूप में 12 साल तक भारत के दबदबे में अहम भूमिका निभाई जिस दौरान टीम ने लगातार 18 शृंखला जीती। नए खिलाड़ियों में मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को फरवरी 2024 में राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तेजतर्रार अर्धशतक के लिए पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के पुरस्कार के लिए चुना गया। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलूरु टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की पारी भी खेली।

सुविचार

अजीब तरह के लोग है इस दुनिया में, अगरबत्ती भगवान के लिए खरीदते है और खुशबू अपने पसंद की तय करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बजट से उम्मीदें

केंद्र में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई राजग सरकार के बजट से देशवासियों को बड़ी उम्मीदें हैं। सरकार के खाते में कई उपलब्धियां हैं तो कई चुनौतियां भी हैं। इसके मद्देनजर विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौतियां महंगाई और बेरोजगारी हैं। सरकार की ओर से राशन, सस्ते गैस सिलेंडर, किसानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता आदि से थोड़ी राहत जरूर आई है, लेकिन सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों के लिए संघर्ष कम होने का नाम नहीं ले रहा। इन्हें खर्च चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और वे अपने खर्चों में कटौती कर रहे हैं। इसका असर बाजार मांग पर पड़ रहा है। खाद्यान्न, तेलों, फलों, सब्जियों और दूध के दाम हर साल बढ़ रहे हैं। इससे थाली महंगी होती जा रही है। असंगठित क्षेत्र, जहां आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा कार्यरत है, में वेतन बहुत कम है। कोरोना काल में इसने काफी दिक्कतों का सामना किया था। अब महंगाई की मार से इसकी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। सरकार को बजट में इसकी ओर खास ध्यान देना चाहिए। वहीं, पिछले साल रोज़गार सृजन की रफ़्तार ज्यादा उत्साहजनक नहीं रही। देश का युवा चाहता है कि पढ़ाई पूरी होने के बाद उसके पास कोई रोजगार हो, ताकि वह अपने माता-पिता के सपने पूरे कर सके। बेरोजगारी की समस्या कई समस्याओं को जन्म दे रही है। इससे देश अपनी युवा शक्ति के पूर्ण उपयोग से वंचित हो रहा है।

इसी तरह आयकर दाताओं को उम्मीद है कि सरकार उनके लिए राहत की घोषणा करेगी। जब बैंक खाते में ज्यादा पैसा बचेगा तो वह परिवार की अन्य जरूरतों पर खर्च होगा। इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। सरकार को ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। देश में सौर ऊर्जा को लेकर भरपूर संभावनाएं हैं। यह घर-घर में लोकप्रिय कैसे हो, इसके लिए प्रावधान करने होंगे। आज भी ज्यादातर परिवार सौर ऊर्जा को अपनाने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि लागत काफी ज्यादा है। देश में सरकारी स्कूल तो बहुत हैं, लेकिन वे संसाधनों और गुणवत्ता की कमी से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही लोगों को छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी शहर जाना पड़ रहा है। बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार स्कूलों और अस्पतालों की ओर खास ध्यान देगी। हाल में डॉलर के भाव बढ़ने से रुपया कमजोर हुआ है। इसका सीधा असर हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। सरकार को बजट में ऐसे प्रावधान करने होंगे कि रुपया मजबूत हो और विदेशी मुद्रा भंडार भी बढ़े। दुनिया में एआई के बढ़ते दबदबे के बीच भारत को अपनी स्थिति मजबूत रखनी होगी। इस क्षेत्र में अभी तक अमेरिका का डंका बजता था, लेकिन चीन के डीपसीक ने तहलका मचा दिया है। ऐसे में भारत को अपनी दमदार उपस्थिति रखनी होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के अपने आधारभूत एआई मॉडल को तैयार करने की बात कही है। देशवासियों को उम्मीद है कि इस बजट में एआई मॉडल निर्माण के लिए पर्याप्त निवेश की घोषणा की जाएगी। हाल के वर्षों में डिजिटल गतिविधियों में तेजी से इजाफा हुआ है। डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान बन रहे हैं। दूसरी ओर साइबर अपराधों में भारी वृद्धि हुई है। शायद ही कोई व्यक्ति होगा, जिसके पास फोन हो और उसे ठगने के लिए किसी साइबर अपराधी ने कॉल न किया हो। बीते साल 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों को खूब लूटा गया, जिससे बचने के लिए प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में सलाह भी दी थी। इस साल साइबर अपराधी कोई नया पैंतरा आजमाएं, इससे पहले ही सरकार को ऐसे ठोस उपाय करने होंगे, जिससे अपराधियों के मंसूबे धरे के धरे रह जाएं। इसके लिए पर्याप्त राशि आवंटित करनी होगी, विशेषज्ञों की नियुक्ति करनी होगी, ताकि डिजिटल पेमेंट पर लोगों का भरोसा मजबूत हो। बजट में सभी क्षेत्रों का ध्यान रखा जाना चाहिए। लोगों को उम्मीदें बंधाने के साथ उन्हें पूरा करना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

ट्वीटर टॉक

आज माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी व माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी जी की गरिमामय उपस्थिति में 16वीं विधानसभा के तृतीय सत्र में सहभागिता की।

-मदन दिलावर

मैं विश्वास से कह सकता हूं कि विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, उस दिशा में यह बजट सत्र, यह बजट एक नया विश्वास पैदा करेगा, नई ऊर्जा देगा कि देश जब आजादी के 100 साल मनाएगा, तब विकसित होकर रहेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े अभिभाषण के साथ आज 16वीं विधानसभा की शुरुआत हुई। राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास एवं जनहित के कार्यों की सराहना की और सांस्कृतिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

बलिहारी गुरु आपने

सन 1945-46 की बात है, तब पाकिस्तान नहीं बना था। उन दिनों प्रोफेसर अनिलेन्द्र गंगोपाध्याय लाहौर के एक कालेज में गणित पढ़ाते थे। छात्रों में वे 'मास्टर साहब' के नाम से लोकप्रिय थे। उनका एक प्रिय छात्र विज्ञान के क्षेत्र में नये-नये अनुसंधान करके सम्मान-दर-सम्मान पाता हुआ अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त कर गया। मास्टर साहब इस बीच लाहौर छोड़कर कलकत्ता अपने घर आ बसे थे। मास्टर साहब के यह मेधावी छात्र पाकिस्तान वासी सुप्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी प्रो. अब्दुस सलाम थे। भौतिक विज्ञान में नोबल पुरस्कार पाने के बाद प्रो. अब्दुस सलाम खास तौर पर दक्षिणी कलकत्ता के पुश्तैनी घर में रह रहे वयोवृद्ध और रुग्ण मास्टर साहब से मिलने आए। मिलन का दृश्य अदभुत था। शिष्य ने नोबल पुरस्कार में मिला स्वर्ण पदक श्रद्धेय गुरु के चरणों में रखकर कहा, 'गुरुवर, आपने जो पढ़ाया था, वह इतना अधिक था कि उससे ज्यादा मैंने और कुछ नहीं पढ़ा। यह पदक आपके उसी ज्ञान की देन है, जो आपने मुझे बख़्शा है।' गुरु ने शिष्य को आशीष देते हुए उसे वह पदक वापस सौंप दिया।

सामयिक

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरुआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरुआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का।

जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

ज्ञान विज्ञान

नासा मंगल से कैसे मिट्टी लाएगा?

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा- ने मंगल ग्रह से मिट्टी और पत्थर जैसे सैम्पल लाने का नया प्लान बनाया है। दावा किया गया है, यह मंगल से सैम्पल लाने का सस्ता तरीका है। नया प्लान कम बजट में तेजी से अपना काम कर सकता है। नई योजना की तैयारी इसलिए की गई क्योंकि नासा के परसिवरेंस रोवर द्वारा मंगल से सैम्पल लाने का खर्च 11 अरब डॉलर पहुंच गया है। नासा इस खर्च को कम करने का दूसरा और सस्ता विकल्प तलाश रही थी। स्पेस एजेंसी नासा के एडमिनिस्ट्रेटर बिल नेल्सन का कहना है कि 'बढ़ते खर्च और देरी को देखते हुए कुछ महीने पहले सैम्पल लाने के मुख्य प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया था'। दावा किया गया था कि साल 2040 से पहले अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा मंगल से कुछ भी धरती पर नहीं ला सकती। नेल्सन का कहना है, रोवर ने सिगार के आकार की टाइटेनियम ट्यूबों में सैम्पल इकट्ठा किए हैं और हम चाहते हैं कि जितनी जल्दी हो सके उन 30 ट्यूब को कम खर्च में लाया जाए।

नासा ने निजी सेक्टर की स्पेस एजेंसियों से पिछले साल कहा था कि वो ऐसा विकल्प साझा करें जिससे साल 2030 तक मंगल से मिट्टी और पत्थर के नमूने लाए जा सकें, ऐसा मंगल ग्रह पर अंतरिक्षयात्रियों के जाने से पहले संभव हो सके। नासा के पास ऐसा करने के लिए दो विकल्प हैं। इनकी लागत 6 से 7 अरब डॉलर की बताई जा रही हैं। पहला विकल्प है, कॉमर्शियल पार्टनर के साझेदारी करके इस काम को अंजाम दिया जाए। ऐसा करने पर विमान और लॉन्चिंग में बदलाव नहीं होगा, लेकिन मिशन के काम करने के तरीके को जरूर बदला जाएगा। इस योजना में लैंडिंग का वही तरीका इस्तेमाल किया जाएगा जिससे परसिवरेंस और क्यूरियॉसिटी रोवर को मंगल ग्रह पर उतारा गया था। इस तरीके में रॉकेट की मदद से चलने वाले प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जाता है जिसे स्काई क्रेन कहते हैं।

नासा की पहली रणनीति में कॉमर्शियल पार्टनर की साझेदारी पर फोकस किया गया है। इससे मिशन को आसान बनाने की कोशिश की गई है।वहीं, दूसरी रणनीति में निजी कंपनियों के लैंडिंग सिस्टम का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। नासा की रणनीति कहती है, प्राइवेट स्पेस कंपनी के लैंडिंग प्रॉसेस के जरिए सैम्पल को वापस लाया जा सकता है। हालांकि, नासा ने अपनी इस दूसरी रणनीति के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं साझा की है। 2021 में लैंडिंग के बाद से परसिवरेंस ने अब तक मंगल ग्रह से 2 दर्जन से ज्यादा नमूने इकट्ठा किए हैं। नासा वहां जीवन के संकेतों को तलाश रहा है। यही वजह है कि अभी और सैम्पल लिए जाएंगे। नासा के अधिकारियों का कहना है, नई रणनीति से नमूनों के जांच करने की प्रक्रिया बेहतर हो जाएगी।नेल्सन का कहना है आने वाले दिनों में जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा कि सैंपल्स को धरती पर लाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।

नजरिया

दिल्ली चुनाव गांधी परिवार के लिए अग्नि परीक्षा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

देश की राजधानी दिल्ली विधानसभा के चुनाव कांग्रेस के साथ गाँधी परिवार के लिए भी चुनौती बन गए है। दिल्ली चुनाव में इंडि गठबंधन पूरी तरह बिखर गया है वहीं गाँधी परिवार को बेहद कठिन अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व एक-दूसरे पर तीखे हमले करने लगे हैं। कभी दिल्ली में एक छत्र राज करने वाली कांग्रेस इस समय अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कांग्रेस के शासन को भाजपा धराशाही नहीं कर पायी मगर अरविन्द केजरीवाल ने 2013 में कांग्रेस से सत्ता छीन कर आम आदमी पार्टी का परचम लहराने में सफलता प्राप्त कर ली। पिछले दो चुनावों में शून्य पर ठहरी कांग्रेस वर्तमान चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराने के लिए समूची ताकत झोंक दी है। पिछले विधानसभा चुनाव में 5 प्रतिशत से भी कम वोट शेयर और शून्य सीटें पाने वाली पार्टी लगातार न्यूज़ चैनलों पर अपनी मौजूदगी और सार्वजनिक चर्चा में जगह बढ़ा रही है। यह कहा जा रहा है कि ये चुनाव वास्तव में कांग्रेस के साथ गाँधी परिवार के लिए अग्नि परीक्षा के समान है। सोनिया गांधी की सियासी निष्क्रियता को देखते हुए राहुल और प्रियंका चुनावी दंगल में उतर गए है। दोनों भाई बहनों ने अपने इंडि गठबंधन के साथी केजरीवाल पर अनेक आरोपों की झड़ी लगा दी है। राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सियासी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। शराब घोटाले और शीशमहल को लेकर राहुल केजरीवाल को बक्सने के मूड में नहीं है। दिल्ली कांग्रेस के नेता पहले ही केजरीवाल को राष्ट्र द्रोही और फर्जीवाल घोषित कर चुके है। कांग्रेस चाहती है जो उनके जो वोट आप में जा चुके है उन्हें कैसे भी हो फिर कांग्रेस की झोली में डाला जाये, तभी कांग्रेस का अस्तित्व बचेगा। राहुल गांधी आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा साध रहे है। उनके लिए पहला शत्रु केजरीवाल है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले अरविंद केजरीवाल आए थे। मुझे याद है वह बिजली के खंबे पर चढ़ गए थे। छोटी सी गाड़ी में घूमते थे। आज वही केजरीवाल ऑटोमेटिक गाड़ी में चलते हैं। शीशमहल में रहते है। राहुल गांधी लगातार कह रहे है कि पांच साल पहले केजरीवाल ने कहा था कि यमुना में जाकर नहाउंगा।

यमुना का पानी पियूंगा। मैं चैलेंज देता हूं आपको केजरीवाल जी आप दिल्ली के लोगों को गंदा पानी पिलाते हो, यमुना का पानी छोड़ो यहां जो पानी मिल रहा है उसी को पीकर दिखा दो। जैसे पीएम मोदी झूठ बोलते हैं वैसे केजरीवाल भी झूठ बोलते हैं। राहुल गांधी का जोर आप के वोट बैंक खासकर दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटों पर उसे नुकसान पहुंचे की है। इन्हीं सीटों पर वह अपना प्रचार केंद्रित कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। राहुल गांधी के निशाने पर बीजेपी, आरएसएस, संविधान और वीर सावरकर के साथ-साथ पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हुआ करते है। लेकिन, दिल्ली विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने केजरीवाल को निशाने पर लेकर 14 साल पुरानी सीने में धधर रही आग को फिर से जिंदा कर लिया है। अरविन्द केजरीवाल ने भी पलटवार करते देर नहीं की। केजरीवाल ने राहुल गांधी के हमले का जवाब देते हुए उन्हें कायर कहा और सवाल उठाया कि कांग्रेस नेता और उनके परिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में जेल क्यों नहीं भेजा गया। दूसरी तरफ भाजपा मतदाताओं को यह बता रही है कि कैसे आप और कांग्रेस लोकसभा चुनाव में आठ महीने पहले सहयोगी थे और अब एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। वह जनता के सामने इनकी विश्वसनीयता का मुद्दा उठा रही है। राहुल गाँधी जानते है अगर दिल्ली विधानसभा में कांग्रेस लगातार तीसरी बार अपना खाता नहीं खोल पाती है तो यह कांग्रेस के साथ गाँधी परिवार के लिए बड़ा झटका होगा। गौरतलब है दिल्ली की एक सशक्त राजनीतिक पार्टी रही कांग्रेस साल 2015 और साल 2020 के विधानसभा चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किन्नर अखाड़ा में शामिल ममता कुलकर्णी को लेकर फिर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। पूर्व अभिनेत्री एवं हाल ही में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बनाई गईं ममता कुलकर्णी को लेकर अब अखाड़े के कथित संस्थापक ऋषि अजय दास ने आपत्ति जताते हुए किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को ही पदमुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा कर दी। अजय दास ने शुक्रवार को अपने शिविर में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करके कहा कि किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को पद से मुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा, त्रिपाठी ने सनातन धर्म और देश हित को दरकिनार करके देशद्रोह जैसे मामले में लिप्त ममता कुलकर्णी को अखाड़े की परंपरा का अनुपालन किए बगैर सीधे महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक कर दिया।

इस संवाददाता सम्मेलन के कुछ ही देर बाद किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने भी संवाददाता सम्मेलन किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, जो भी मेरे बोर्ड और मेरे सिस्टम में होगा, वही मुझे निकाल सकता है। त्रिपाठी ने कहा, ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर हैं और बनी रहेंगी। उनके खिलाफ अब कोई आरोप नहीं है और सारे मामले रद्द किए जा चुके हैं। हमारी कानूनी टीम

अजय दास के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के लिए पहल करेगी।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, जिस व्यक्ति (ऋषि अजय दास) को हमने 2017 में मुक्त कर दिया, और वह गृहस्थ जीवन जीने लगे और 2016 के उज्जैन कुंभ में किन्नर अखाड़े का सारा पैसा उन्होंने गबन कर दिया। 2019 के प्रयागराज कुंभ में किन्नर अखाड़ा का जूना अखाड़ा से अनुबंध हुआ और महंत हरि गिरि को हमने अपना गुरु बनाया। त्रिपाठी ने कहा, हम अपने गुरु के चेले हैं... वह ऋषि अजय दास लिखते हैं, अर्चना दास से उनकी शादी हुई और कनक उनकी बेटी का नाम है। पायलट बाबा के शिविर में किन्नर अखाड़ा के बारे में निर्णय करने वाले वह कौन होते हैं।

त्रिपाठी ने कहा, अगर ऋषि अजय दास संस्थापक होते तो यहां (किन्नर अखाड़ा) होते। हमारे अखाड़े के संविधान में नर, नारी सभी को अखाड़े में शामिल करने का प्रावधान है। किन्नर अखाड़े के संस्थापकों में मैं, दुर्गादास और देशभर से 22 संगठन शामिल हैं।

इससे पूर्व, किन्नर कथावाचक हिमांगी सखी मां ने बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर नियुक्त किए जाने पर सवाल उठाया था और कहा था कि किन्नर अखाड़े ने प्रचार पाने के लिए ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाया है, समाज उनके अतीत को अच्छी तरह जानता है। हिमांगी सखी ने यह भी कहा था कि किन्नर अखाड़ा किन्नरों के लिए है तो फिर एक स्त्री को महामंडलेश्वर क्यों बनाया गया।

संसद जाते...

शुक्रवार को नई दिल्ली में बजट सत्र के पहले दिन संसद भवन के बाहर विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा।

वाराणसी में घाटों पर आम लोगों के लिए पांच फरवरी तक बंद रहेगी गंगा आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ से लौटने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए वाराणसी के घाटों पर होने वाली गंगा आरती को आम लोगों के लिए पांच फरवरी तक बंद रखने का फैसला किया गया है। आरती आयोजन समिति की तरफ से यह जानकारी दी गयी। वाराणसी पुलिस आयुक्तालय (कमिश्नरेट) ने काशीवासियों से अनावश्यक रूप से घर से बाहर ना निकलने और श्रद्धालुओं का सहयोग करने की अपील की है। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि दशाश्वमेध घाट पर आयोजित होने वाली गंगा आरती अपरिहार्य कारणों से पांच फरवरी, 2025 तक जनसामान्य के लिए बंद रहेगी।

गंगा आरती करने वाली संस्था ने दर्शनार्थियों/श्रद्धालुओं से अपील की है। इसी प्रकार शीतला घाट, अस्सी घाट समेत अन्य घाटों पर भी गंगा आरती करने वाली समितियों ने भी जनसामान्य, दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं से पांच फरवरी तक आरती में शामिल न होने की अपील की है। इस बीच, वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने भी काशीवासियों से अनावश्यक रूप से घर से बाहर ना निकलने और श्रद्धालुओं का सहयोग करने की अपील की है। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर वापस लौटे बड़ी संख्या में श्रद्धालु अब भी वाराणसी कैंट और बनारस स्टेशन पर फंसे हुए हैं। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि अत्यधिक भीड़ की वजह से वे अपनी ट्रेन पकड़ नहीं पाए और अब वे भीड़ कम होने का इंतजार कर रहे। वहीं कुछ ट्रेनों के निरस्त होने की वजह से यात्री अब भी स्टेशन पर फंसे हैं और अन्य किसी साधन का इंतजार कर रहे हैं।

असम के सोनिकपुर निवासी बॉबी माया लिम्बु ने बताया कि वह अपने समूह के साथ प्रयागराज आयी थीं। उन लोगों ने 26 जनवरी को प्रयागराज संगम तट पर स्नान किया। वहां से वे अयोध्या दर्शन पूजन करने गए। वहां से 30 जनवरी को वाराणसी पहुंचे हैं। कल ही उनकी ट्रेन थी परंतु भीड़ के कारण ये लोग ट्रेन नहीं पकड़ पाए। अब जो भी ट्रेन आएगी उसमें जाएंगे। माया लिम्बु ने बताया कि भीड़ भाड़ की वजह से दिक्कत तो बहुत हुई परंतु दर्शन पूजन कर आत्मा को बहुत सुख की अनुभूति हुई है।

गया जिला से आये श्रद्धालु दीनानाथ ने बताया कि वह अपने बीवी बच्चों के साथ दो दिन से बनारस में फंसे हुए है। बृहस्पतिवार को उन्होंने ट्रेन पकड़ने की कोशिश की, परंतु भारी भीड़ की वजह से उनका दम घुटने के कारण ट्रेन से नीचे उतरना पड़ा। तब से वे प्लेटफॉर्म के बाहर बने रैन बसेरा में रह रहे हैं। रैन बसेरा का प्रबंधन देख रहे रजत सिंह ने बताया कि कुंभ आने जाने वाले यात्रियों के विश्राम के लिए यह बसेरा बनाया गया है। यहां यात्रियों के सोने रहने की व्यवस्था की गई है। किसी यात्री को स्वास्थ्य परेशानी होने पर उपचार के लिए यहां स्वास्थ्य टीम मौजूद है। पर, यहां खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं है।

बड़े होने के दौरान नस्लवाद का सामना करना पड़ा था : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा एफबीआई प्रमुख के रूप में चुने गए काश पटेल ने सांसदों से कहा है कि बड़े होने के दौरान उन्हें नस्लवाद का सामना करना पड़ा था। फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) प्रमुख पद पर नियुक्ति की पुष्टि के लिए बृहस्पतिवार को सीनेट की न्यायपालिका संबंधी समिति के सदस्यों के समक्ष पेश हुए पटेल (44) से सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पूछा कि क्या उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से नस्लवाद का सामना किया है। पटेल ने इसके जवाब में कहा, दुर्भाग्य से, हां सीनेटर। मेरा परिवार यहां मेरे साथ है, इसलिए मैं उसका विवरण नहीं देना चाहता। अगर पटेल की नियुक्ति पर मुहर लग जाती है तो वह एफबीआई के पहले हिंदू और भारतीय-अमेरिकी निदेशक होंगे। इस दौरान पटेल के माता-पिता समेत परिवार के सदस्य कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में मौजूद थे। पटेल ने कहा कि उनके पिता युगांडा में ईदी अमीन की तानाशाही से बचकर भागे थे, जहां 3,00,000 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को उनकी जातीयता के आधार पर मार डाला गया था। उन्होंने कहा, मेरी मां मूल रूप से तंजानिया की हैं। उन्होंने भारत में पढ़ाई की, मेरे पिता ने भी वहीं पढ़ाई की और उनकी शादी भी वहीं हुई। वे बाद में न्यूयॉर्क चले आए, जहां मेरा जन्म हुआ और मैं पला-बढ़ा। परिवार में मेरे पिता के सात भाई-बहन भी रहते थे, जिनके पति/पत्नी और कम से कम दर्जन भर बच्चे थे।

सैफ हमला मामले में चेहरा पहचान परीक्षण से आरोपी के चेहरे का मिलान हुआ : पुलिस

मुंबई। चेहरे की पहचान करने वाले परीक्षण से पुष्टि हुई है कि अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी व्यक्ति का चेहरा अभिनेता की इमारत में लगे सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे व्यक्ति से मिलता है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि जांच रिपोर्ट के अनुसार, 16 जनवरी के हमले के लिए गिरफ्तार शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फकीर (30) वही व्यक्ति है, जिसे बांद्रा के सतगुरु शरण बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी फुटेज में देखा गया था। उन्होंने बताया कि मामले को सुलझाने में चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक ने अहम भूमिका निभाई है।

पुलिस के अनुसार, शरीफुल ने 16 जनवरी की रात अभिनेता के 12वीं मंजिल स्थित अपार्टमेंट में घुसकर उन पर छह बार चाकू से हमला किया और फिर मौके से भाग गया। उसे तीन दिन बाद पड़ोसी ठाणे शहर से गिरफ्तार किया गया। मुंबई की एक अदालत ने बुधवार को आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सुनीता विलियम्स ने महिला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सबसे ज्यादा समय तक चहलकदमी रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे और 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी करके किसी महिला द्वारा अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय तक सैर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसीं विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष में चहलकदमी की। दोनों ने आईएसएस के बाहर जाकर खराब हो चुके रेडियो संचार हार्डवेयर को हटाया तथा नमूने एकत्र किए, जिनसे यह पता चल सके कि परिक्रमा कर रही प्रयोगशाला के बाहरी भाग में सूक्ष्मजीव मौजूद हैं या नहीं।

अंतरिक्ष में चहलकदमी पूर्वी तट समय (ईएसटी) के अनुसार सुबह 7:43 बजे शुरू हुई और अपराह्न एक बजकर नौ मिनट पर समाप्त हुई। यह प्रक्रिया 5 घंटे और 26 मिनट तक चली। ईएसटी अमेरिका के मानक समय के लिए इस्तेमाल किया जाता है जोकि आईएसटी (भारतीय मानक समय) से 10.5 घंटे पीछे। नासा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के सबसे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में चहलकदमी के समय 60 घंटे और 21 मिनट को पार कर लिया है।

उन्होंने एक महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा अंतरिक्ष में कुल समय चहलकदमी के मामले में व्हिटसन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। नासा के अनुसार विलियम्स का अब तक का अंतरिक्ष में चहलकदमी का कुल समय 62 घंटे और 6 मिनट है, जो नासा की सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर है। विलियम्स (59) और विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार होकर आईएसएस के आठ दिवसीय मिशन पर गए थे। हीलियम रिसाव और थ्रस्टर की खराबी जैसी तकनीकी समस्याओं के कारण हालांकि स्टारलाइनर उनकी वापसी के लिए असुरक्षित था। नासा की योजना मार्च के अंत में बोइंग की प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्पेसएक्स द्वारा निर्मित अंतरिक्ष यान के माध्यम से उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने की है। इन असफलताओं के बावजूद, अंतरिक्ष यात्रियों ने सुरक्षित घर वापसी की प्रतीक्षा करते हुए आईएसएस पर अपना काम जारी रखा है।

महाकुंभ भगदड़: परेशान हाल श्रद्धालुओं की मदद को आगे आए प्रयागराज के लोग

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ के बाद स्थानीय लोग परेशान हाल श्रद्धालुओं की मदद के लिए तुरंत आगे आए और उन्हें भोजन पानी के साथ ही आश्रय उपलब्ध कराया। मेला प्रशासन और जिला प्रशासन जहां मौनी अमावस्या पर भगदड़ की घटना के बाद भीड़ संभालने और उनकी सुरक्षित निकासी में व्यस्त रहा, स्थानीय लोगों ने भूखे प्यासे और थके श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद, आश्रय और परिवहन की सहायता कर मानवता की एक मिसाल कायम की। डाक्टर अंजलि केसरी ने पीटीआई से कहा, इलाहाबाद में हम महाकुंभ के श्रद्धालुओं को बाहरी के तौर पर नहीं देखते, हम उनके मेजबान हैं और वे हमारे अतिथि हैं। चौक में हमारे पड़ोसियों ने मिलकर थके श्रद्धालुओं को भोजन खिलाया।

उन्होंने कहा, कल ही हमने नाश्ते के साथ 80 लीटर दूध से चाय बना कर वितरित की, जबकि अन्य लोगों ने तहरी और दाल चावल आदि वितरित किया। शहर में कई होटलों ने श्रद्धालुओं को ठहरने की जगह उपलब्ध करायी। इनमें से एक आलोक सिंह जो सिविल लाइंस में होटल विट्ठल चलाते हैं।

शिविर

गुवाहाटी के लोखरा में शुक्रवार को क्षेत्रीय स्वास्थ्य विज्ञान महाविद्यालय के छात्र निःशुल्क चिकित्सा शिविर में जांच कराते हुए।

महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं को करना पड़ा भारी दिक्कतों का सामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/ प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के बाद अपने घरों को लौट रहे श्रद्धालुओं को विभिन्न जगहों पर बैरिकेड लगाए जाने और जाम की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। गुवाहाटी से एक बुजुर्ग समेत चार लोगों को महाकुंभ में लाकर गंगा स्नान कराने के बाद लौटे अनूप वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमारी कार 15-20 किलोमीटर दूर सहंसों में पार्क कराई गई थी। बृहस्पतिवार को हम किसी तरह चलकर बैंक रोड पहुंचे, लेकिन हर जगह बैरिकेड लगाए जाने से हमें कोई वाहन नहीं मिला जिससे हमें पैदल चलकर सहंसों पहुंचना पड़ा।

उन्होंने बताया, रास्ते में हमारे साथ चल रहे बुजुर्ग व्यक्ति की तबीयत भी खराब हो गयी.. हम किसी तरह भूख प्यासे सहंसो पहुंचे और काफी समय तक जाम खुलने का इंतजार करने के बाद कार लेकर राजमार्ग पर निकल आए। वहीं प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौटे लाखों श्रद्धालु अब भी वाराणसी कैन्ट और बनारस स्टेशन पर फंसे हुए हैं। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि अत्यधिक भीड़ की वजह से वे अपनी ट्रेन नहीं पकड़ पाए और अब वे भीड़ कम होने का इंतजार कर रहे हैं।

वहीं कुछ ट्रेनों के निरस्त होने की वजह से कई यात्री अभी स्टेशन पर फंसे हैं और अन्य किसी साधन का इंतजार कर रहे हैं। असम के सोनिकपुर निवासी बॉबी माया लिम्बु ने बताया कि वह अपने समूह के साथ महाकुंभ आई थीं। उन लोगों ने 26 जनवरी को प्रयागराज संगम तट पर स्नान किया और इसके बाद दर्शन पूजन करने अयोध्या गए, जहां से 30 जनवरी को वाराणसी पहुंचे हैं।

उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को ही इनकी ट्रेन थी, लेकिन भीड़ के कारण ये लोग ट्रेन नहीं पकड़ पाए। गया जिले से आये श्रद्धालु दीनानाथ ने बताया कि वह अपनी बीवी बच्चों के साथ दो दिन से बनारस में फंसे हुए हैं। बृहस्पतिवार को उन्होंने ट्रेन पकड़ने की कोशिश की, लेकिन भारी भीड़ की वजह से उनका दम घुटने लगा जिससे कारण वह ट्रेन से उतर गए। उन्होंने बताया कि तब से वह प्लेटफॉर्म के बाहर बने रैन बसेरा में रह रहे हैं। प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र कुमार मांदड़ ने बृहस्पतिवार शाम कहा, 30 जनवरी को सभी श्रद्धालु वापस लौट रहे हैं। पुलिस द्वारा डायवर्जन स्कीम को हटाया जा रहा है और बैरिकेड हटाने के निर्देश पुलिस को दिए गए हैं।

31 जनवरी, एक फरवरी और चार फरवरी को किसी प्रकार वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, मात्र दो और तीन फरवरी (बसंत पंचमी स्नान पर्व) को डायवर्जन की स्कीम लागू रहेगी। मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश की एक अलग प्रक्रिया है। इस बारे में मेलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा अलग से सूचित किया जाएगा। प्रयागराज कमिश्नरेट क्षेत्र में वाहनों पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि शहर के विभिन्न चौराहों और मुख्य मार्गों पर पुलिस द्वारा बैरिकेड लगाए जाने के कारण महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के लिए आये श्रद्धालुओं को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सफलता और असफलता को लेकर मैं खुद पर दबाव नहीं डालना चाहती : पूजा हेगड़े

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े दक्षिण भारतीय सिनेमा के साथ ही बॉलीवुड में भी कई फिल्में कर चुकी हैं। जल्द ही वो शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'देवा' में दिखाई देंगी। पूजा ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से अपनी आगामी फिल्म के साथ ही सफलता और असफलता को लेकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि अपने करियर को लेकर वो क्या सोचती हैं, तो पूजा ने कहा, मैंने इंडस्ट्री में काफी लंबा सफर तय किया है लेकिन मुझे अभी और भी लंबा सफर तय करना है। दरअसल, मैं खुद पर यह दबाव नहीं डालना चाहती हूं कि मैं सफल हो पाऊंगी या नहीं। लेकिन मैं यहां मजबूती से खड़ी हूं।

पूजा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। उन्होंने कहा, मैं नॉन-फिल्मी परिवार से संबंध रखती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक अभिनेत्री बनूंगी। मुझे यह भी नहीं लगता था कि ऐसी कोई संभावना भी है कि मैं अभिनेत्री बन सकती हूं। मैं एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हूं, जो काफी पढ़ा-लिखा है। अभिनेत्री ने बताया, मेरी मां ने कानून में मास्टर्स किया है। मेरा भाई एक ऑर्थोपेडिक सर्जन है।

पूजा ने बताया कि वह सिनेमा की दुनिया में आकर खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसे नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड के साथ अभिनय में करियर बनाऊंगी, ऐसा सोचा नहीं था। जब मैं फिल्में देखती थी, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं पर्दे की वो लड़की (अभिनेत्री) बन सकती हूं। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं और वह कर रही हूं जो मुझे पसंद है।

मुझे अभी बहुत आगे जाना है। उन्होंने आगे कहा, बहुत से ऐसे किरदार हैं, जिन्हें मैं निभाना चाहती हूं। बहुत से ऐसे फिल्म निर्माता हैं, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं सिनेमा के प्रति अपने प्यार के कारण काम करना जारी रखूंगी। पूजा हेगड़े की अपकमिंग फिल्म 'देवा' रोशन एंड्रयूज के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर है। पूजा हेगड़े के साथ फिल्म में शाहिद कपूर और पावेल गुलाटी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा पूरी निष्ठाभावना से की जानी चाहिए। जिनकी संस्कृति सुरक्षित रहती है, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है। चीन, इज़रायल, जर्मनी, जापान और खाड़ी के देशों को अपनी संस्कृति पर बहुत नाज़ है। वे अपने परिधान, खानपान, भाषा, संस्कार और रीति-रिवाजों को सदियों से बरकरार रखे हुए हैं। भारत का आधुनिक समाज अपनी संस्कृति और महान संस्कारों को भूलते जा रहा है। मानो न मानो, पर यह सच है कि सांस्कृतिक पतन कत्लखानों से भी अधिक खतरनाक है। पशु कभी अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़े नहीं होते। भारत का आधुनिक मनुष्य तो अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़ा है।

पेरम्बूर में मेघा हेल्थ चेकअप शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हास्पिटल परेम्बुर के प्रांगण में भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान रजत जयंती एवं गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष में मास्टर हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ईसीजी, ऐक्स-रे, स्कैन व विभिन्न तरह के लेब टेस्ट अल्प शुल्क में किये गये। लगभग 150 लोग इस शिविर में लाभान्वित हुए। शिविर के सहयोगी फूटरी बाई नथमल सिंघवी एवं संगीता सिंघवी की यादगार में महावीरचन्द आशीष विवेक सिंघवी रहे। शिविर में अध्यक्ष पारसमल सुराणा, मंत्री चेतना पटवा, सहमंत्री अजीत गोठी, गौतम सकलेचा, उपाध्यक्ष विजय तातेड़, अजीत पटवा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल खिंवसरा, इन्दरचन्द विनायकिया, राजेश बोहरा, उगम बोहरा, सुरेश समदड़िया, राजेश पोकरणा, संजय मेहता, रूपराज कोठारी, महावीर मुथा, इन्द्रचन्द विनायकिया, आदि ने सेवाएं दी। यह सूचना मंत्री चेतना पटवा ने दी।

मुमुक्षु चाहत कोठारी का समता भवन में हुआ सम्मान

आचार्य रामेश के सान्निध्य में नोखा में होगी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'संसार दुःख का सागर है। जो इसे समझ लेता है वह इसमें नहीं उलझता है। उस मुमुक्षु को मात्र आत्मा के सच्चे एवं शाश्वत अनंत सुख की अभिलाषा होती है और वह उसे पाने के मार्ग पर अपने जीवन को गतिशील कर देता है। उस अनंत सुख को प्राप्त करने के लिए, उसे संसार के सभी सुख क्षणिक एवं नश्वर प्रतीत होते हैं और उन सांसारिक सुखों के पीछे छुपे हुए भयंकर एवं असीम दुःख दिखाई देते हैं। वह उन सारे सांसारिक क्षणिक सुखों का त्याग कर देता है और संयम साधना द्वारा सारे कर्म बंधन क्षय कर अक्षय अनंत आत्मिक सुख को प्राप्त कर लेता है।' यह विचार मुमुक्षु चाहत नवरतन कोठारी ने साधुमार्गी जैन संघ बेंगलूरु द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किए। साध्वीश्री भावनाश्री से मुमुक्षु ने यशस्वी संयमी जीवन का आशीर्वाद एवं मांगलिक ग्रहण किया।

संघ के मंत्री महावीरचंद चोपड़ा ने स्वागत करते हुए बताया कि मुमुक्षु चाहत कोठारी की 7 फरवरी को नोखा राजस्थान में आचार्य रामेशजी के सान्निध्य में दीक्षा होगी। संघ के मार्गदर्शक कमल सिपानी ने मुमुक्षु चाहत के युवा अवस्था में सांसारिक सुख भोगों के त्याग को वीरता पूर्ण बताते हुए नोखा राजस्थान में संयम स्वीकार करने के पश्चात शीघ्र अपने गृहनगर बेंगलूरु में चातुर्मास प्रवास करने की भावना व्यक्त की। अशोक जैन ने संयम का महत्त्व बताते हुए मुमुक्षु का विस्तृत परिचय दिया।

समता महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता खींवसरा ने आचार्य रामेश के महान गुणों पर प्रकाश डालते हुए मुमुक्षु चाहत के संयम लेने के संकल्प की सराहना की। समता युवा संघ के अध्यक्ष हर्षुल सोनी ने मुमुक्षु चाहत को युवा जगत के लिए आदर्श बताया। वीर पिता नवरतन कोठारी ने गुरु आज्ञा एवं गुरु सेवा को सर्वोपरि बताते हुए सभी को दीक्षा महोत्सव में पधारने का निवेदन किया। समता महिला मंडल की अनेक सदस्याओं सहित संघ अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, राष्ट्रीय शिखर सदस्य विमल सिपानी, मंत्री महावीर चोपड़ा, कोषाध्यक्ष सुशील बरमेचा, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय समिति सदस्य किशोरकुमार कर्नावट, समता भवन के पूर्व संयोजक कैलाशचंद गुरलिया, नरेंद्रकुमार पोखरना आदि ने वीर परिवारजनों का सम्मान किया। पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट विजयनगर के मंत्री कन्हैयालाल सुराणा को ऑल इन्डिया स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस नई दिल्ली में गौरवशाली राष्ट्रीय मंत्री पद पर मनोनीत किए जाने पर विजयनगर ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, उपाध्यक्ष गौतमचंद दक, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाब्या, सहमंत्री रविन्द्र जैन, सुनील लोढा, तेजमल भंडारी, प्रवीण आँचलिया,महावीर सुराणा, ज्ञानचंद कटारिया, युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक,मंत्री महावीर गुगलिया ने सुराणा का सम्मान किया और शुभकामनाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर ने मानवसेवा आयाम के तहत राजाजीनगर स्थित आश्रय सेवा ट्रस्ट और एक आर्य सेवाश्रम ट्रस्ट में मांगीलाल बोहरा परिवार के सहयोग से अन्नदान, भोजन, फल, बिस्कुट, जूस आदि प्रदान किया। आश्रय सेवा ट्रस्ट में दैनिक जरूरत की राशन सामग्री प्रदान की गई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, विनोद कोठारी ने सेवा दी व बोहरा परिवार को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय एकता में नागरी लिपि की भूमिका महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदू महाविद्यालय और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 31 जनवरी को किया गया। कुमारी हेमा मालिनी एवं अर्चना ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सी मणिकंठन ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा, लिपि व्यक्ति को मानव बनता है। भाषा ही है जो हमें सबसे जोड़ती है।

मुख्य अतिथि डॉ. श्रावणी भट्टाचार्य और डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन, प्रभारी, नागरी लिपि परिषद, तमिलनाडु शाखा का परिचय हिंदी विभागध्यक्ष ने किया। हिंदू कॉलेज के निदेशक डॉ. एन राजेंद्र नायडू ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए। निदेशक अतिथि वक्ता राजलक्ष्मी कृष्णन और भवानी सेल्वी का सम्मान हुआ।

नागरी लिपि परिषद के महामंत्री डॉ हरिसिंह पाल आभासी तौर पर कार्यक्रम में जुड़ कर इस विषय पर अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा कि सभी भाषाएँ बहुत महतवपूर्ण और समान हैं। उन्होंने नागरी लिपि के बारे में अपने विचारों को प्रस्तुत किया। तृतीय वर्ष की छात्रा ओ ममता ने मुख्य अतिथि डॉ श्रावणी भट्टाचार्य का परिचय दिया। डॉ श्रावणी भट्टाचार्य वर्तमान में स्टेला मेरिस कॉलेज चेन्नै में भाषाओं के विभाग की अध्यक्ष हैं। उन्होंने शिक्षा साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया हैं। डॉ श्रावणी भट्टाचार्य ने नागरी लिपि के विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि नागरी लिपि देवों की लिपि है – सरल सुगम और वैज्ञानिक हैं। विश्व की सभी भाषाएँ नागरी लिपि में लिखी जा सकती है। विश्व भर में आज नागरी लिपि और हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार तीव्रगति से हो रहा है। ऐसी भाषाएँ जिनकी कोई लिपि नहीं है। उसके लिए देवनागरी लिपि सर्वोत्तम है।

प्रभारी नागरी लिपि परिषद तमिलनाडू शाखा की डॉ राजलक्ष्मी कृष्णन ने अपने विचारों में हिंदी की लिपि देवनागरी बताते हुए कहा कि सभी भारतीय भाषाओं की लिपि एक ही होनी चाहिए और ऐसी लिपि केवल देवनागरी ही हो सकती है। अंत में कुमारी एन एम नर्मता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मर्यादा महोत्सव हेतु हासन में प्रवेश किया साध्वीश्री उदितयशा ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा व तेयुप गांधीनगर के पदाधिकारियों ने हासन पहुंची साध्वीश्री उदितयशाजी के दर्शन किए। इस मौके पर साध्वी श्री उदितयशाजी ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम या चातुर्मास को सफल और ऐतिहासिक बनाना श्रावकों का कर्तव्य है । हमारा कार्य तो प्रवचन और उपदेश देना है, लेकिन इसका कितना लाभ उठाना है, यह आप पर निर्भर करता है । साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने कहा कि हमें मार्ग में अधिक रुकना नहीं था, बल्कि गुरु इंगित की आराधना करते हुए शीघ्रता से हासन पहुँचना था, और आज हम यहाँ पहुँच चुके हैं । गुरु हमे निरंतर ऊर्जा का संचार करते रहते हैं, जिससे कठिनाइयों का सामना भी सहजता से किया जा सकता है।

गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने साध्वीश्री के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर के मंत्री राकेश चोरड़िया ने साध्वीश्री के समक्ष ऐतिहासिक मर्यादा महोत्सव की अग्रिम मंगलकामनाएँ दी। इस मौके पर हासन तेरापंथ सभा, तेयुप, महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

आचार्यश्री का दीक्षा दिवस स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में सामायिक- स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक जैनाचार्य हस्तीमल म.सा.का दीक्षा दिवस स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में 31 जनवरी को श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। श्रावक संघ के कोषाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट ने आचार्य हस्ती की विचार वारिधि का वांचन व वीरभ्राता आर. वीरेन्द्र कांकरिया ने साधना का शत्रु हैं प्रमाद का विवेचन किया।

श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आचार्य हस्ती के वैराग्य काल में ज्ञानार्जन व अजमेर की दीक्षा प्रसंग का उल्लेख करते हुए आचार्य हीराचंद्र के मुखारविन्द से श्रवण किये संयम की भावना पर प्रकाश किया और आचार्य हस्ती की दीक्षा दिवस तिथि पर आचार्य हस्ती के मुखारविन्द से दीक्षित वर्तमान में रत्नवंश के साध्वीप्रमुखा महासती तेजकंवर म.सा. का 62 वां दीक्षा दिवस होने का संयोग बताया। श्रावक के जीवन मे सामायिक और स्वाध्याय की आवश्यकता पर विशेष प्रेरणा के कारण सन्त- सतियों के चातुर्मास से वंचित सैंकड़ों क्षेत्रों में विशेष धर्माराधना हेतु स्वाध्यायीयों की सेवा की प्रेरणा आचार्यश्री हस्ती की दूरदृष्टिता का परिणाम हैं।

श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्ष शशि कांकरिया ने 'सुनो कहानी गुरु हस्ती की संतो में थे संत महान' भावमय स्तुति प्रस्तुत की। वरिष्ठ श्रावक चंपालाल बोथरा ने आचार्य हस्ती के ब्यावर, हीरादेसर जोधपुर आदि क्षेत्रों में घटित अनेक संस्मरणों का उल्लेख किया। निखिल कांकरिया ने जैन संकल्प करवाया। धर्म सभा में आचार्य हस्ती चालीसा व आचार्य हस्ती द्वारा रचित वैराग्यमय स्तुतियों व भजन सामूहिक रुप से पाठ किया गया। स्वाध्याय दिवस में संघ उपाध्यक्ष गौतमचंद मुणोत रुपराजसेठिया, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल लीलमचन्द बागमार उच्छब राज गांग की सामायिक परिवेश में उपस्थिति प्रमोदजन्य रही। संकल्प, व्रत, नियम प्रत्याख्यान के पश्चात युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल ने मांगलिक सुनाई।

वर्षीतप तपस्वियों का किया गया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ कैंट के तत्वावधान में वर्षीतप एवं पारणा कर रहे 45 तपस्वियों तथा पारणा सेवा देने वाले एवं कर्मचारियों का सम्मान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजमल गोलेछा एवं मंत्री मोहनलाल बोहरा ने अनुमोदना पत्र समर्पित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अलसूर के वर्षीतप तपस्वी प्रकाशचंद नाहटा, सुभद्राबाई नाहटा, राजूबाई बोहरा, चंद्राबाई बांठिया, हेमलता तातेड़, संतोषबाई छाजेड़, मंजूबाई लोढ़ा, कविता बांठिया उपस्थित थे।

राजभाषा अनुवाद एवं आई टी टूल्स पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर/चल स्टॉक/अरक्कोणम धनेष कुमार के निर्देशानुसानुसार मंडल बिजली इंजीनियर बलराम कुमार की अध्यक्षता में 31 जनवरी को राजभाषा अनुवाद एवं विभिन्न आई टी टूल्स विषय पर विशेष कार्यशाला चलाई गई। इसमें दो अधिकारी एवं 25 कर्मचारी लाभान्वित हुए। कार्यशाला से प्रभावित होकर अध्यक्ष ने फरवरी महीने को राजभाषा विशेष अभियान के रूप में चुना।

अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी अंकुर चौहान के निर्देशानुसार एक महीना एक यूनिट के रूप में अरक्कोणम को फरवरी महीने के लिए चुना गया है।

वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, चेन्नई मंडल श्रीनिवासन ने कार्यशाला का संचालन किया। वरिष्ठ अनुवादक अशोक राम एवं अधीक्षक जॉय ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

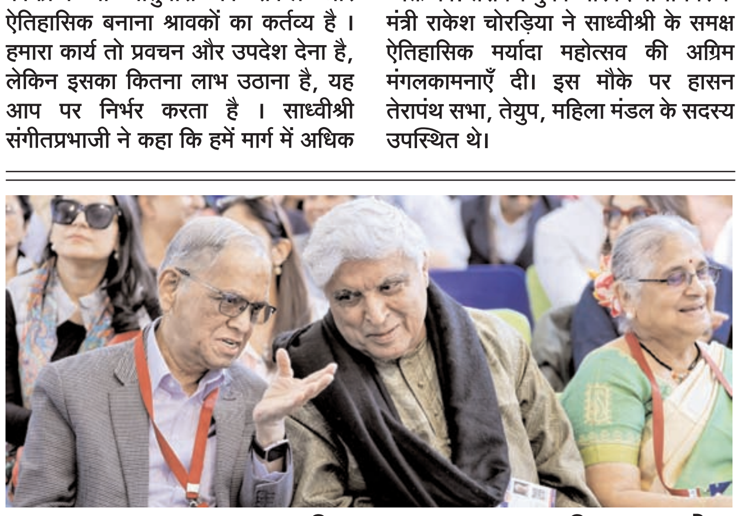

'अगर आप अपनी मातृभाषा नहीं जानते, तो आप अपनी जड़ों से कट रहे हैं'

जयपुर। पटकथा लेखक-गीतकार जावेद अख्तर ने यह स्वीकार किया है कि आज की दुनिया में, खास तौर पर आईटी क्षेत्र में अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अंग्रेजी भाषा जरूरी है लेकिन भाषा सीखना अपनी मातृभाषा जानने की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

जयपुर साहित्य महोत्सव (जेएलएफ) के दौरान एक सत्र में अख्तर ने कहा, अगर आप अपनी मातृभाषा नहीं जानते, तो आप अपनी जड़ों से कट रहे हैं। यहां उन्होंने अपनी पुस्तक 'ज्ञान सीपियां: पर्ल्स ऑफ विजडम' का विमोचन किया। अख्तर ने जोर देकर कहा कि अपनी मूल भाषा को छोड़कर बच्चे अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव खोने का जोखिम उठाते हैं। अख्तर (80) ने तर्क दिया, भाषा सिर्फ संचार का साधन नहीं है; यह हमारी संस्कृति, परंपरा और निरंतरता को आगे ले जाने वाला वाहन है। अगर आप किसी बच्चे को उसकी भाषा से अलग करते हैं, तो आप उसे उसकी संस्कृति, इतिहास और मूल्यों से अलग कर रहे हैं।

अख्तर ने कहा कि आज भारत में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा पर व्यापक जोर है। उन्होंने कहा, हम अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजना चाहते हैं, यहां तक कि निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों के बच्चे भी इसके लिए संघर्ष करते हैं। मैं अंग्रेजी के महत्व को नकार नहीं रहा हूं, लेकिन मेरा मानना है कि किसी अन्य भाषा को सीखना किसी की अपनी भाषा की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

सीरवी समाज का वार्षिक सम्मेलन एवं माही बीज महोत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के केआरएस रोड़ सीरवी समाज के आईमाता के मंदिर परिसर में 38वां वार्षिक सम्मेलन एवं माही बीज महोत्सव उल्लासमय वातावरण में मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे। माही बीज के मौके पर गैर मंडली द्वारा गैर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। महिला मण्डल के सान्निध्य में महिला मण्डल द्वारा आईमाता के गीतों पर नृत्य किया गया। युवाओं की टोली ने व्यवस्था संभाली। अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों, समाज बंधुओं का स्वागत किया। सभी अतिथियों का सम्मान पदाधिकारियों द्वारा किया गया। दो दिवसीय चलने वाले इस महोत्सव को लेकर सीरवी समाज के कार्यकर्ताओं न आई माताजी के मंदिर को विशेष लाइटिंग व पुष्पहार से सजाया गया। गुरुवार को शाम श्री आई माताजी के नाम भजन संध्या में राजुराम पटेल एंड पार्टी द्वारा माताजी के भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी, रतनलाल काग,आईजी सीरवी गैर मंडल अध्यक्ष चेनाराम परिहार, आईजी सेवा संघ अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, आईजी महिला मण्डल सहित समाजजनों का सक्रीय योगदान रहा। मंच का संचालन रूपाराम राठौड़ ने किया। यह जानकारी मनोहर सीरवी ने दी

राजस्थानी तमिल सेवा पुरस्कार हेतु नामांकन 7 तक

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा स्थापित तमिल सेवा पुरस्कार हेतु नामांकन सात फरवरी तक किए जा सकते हैं। संयोजक अनिल खींचा ने बताया है कि एसोसिएशन द्वारा बिना जाति, पंथ एवं पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना तमिलनाडु के प्रगति एवं कल्याण हेतु कार्य करने वाले योग्य व्यक्तियों को यह पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन 16 मार्च को डीजी वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में होगा जिसमें मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के आर श्रीराम होंगे। यह पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों जैसे कृषि एवं ग्रामीण विकास, कला, संस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, उद्यमिता, पर्यावरण, मीडिया एवं संचार, सार्वजनिक सेवाओं तथा सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम के जूरी पैनल में तुगलक के संपादक एवं प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एस. गुरुमूर्ति, अन्ना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एस. बालगुरुसामी, पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता पद्म सुब्रह्मण्यम, द हिंदू ग्रुप के निदेशक एन. रवि एवं उद्योगपति एवं समाजसेवी एन. सुगालचंद जैन होंगे। योग्य उम्मीदवार या संस्थान अपने नामांकन 7 फरवरी तक करने के लिए एसोसिएशन की वेबसाइट www.rajasthanitamil.org पर लॉगिन कर सकते है या अपना विवरण inforajasthanitamil.org पर ईमेल कर सकते है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.